RNI No. : TNHIN/2013/52520 ■ वर्ष - 13 ■ अंक - 211 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » शुक्रवार » 27-02-2026 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 डिजिटल मंचों को बच्चों की सुरक्षा की जिमेदारी लेनी चाहिए : वैष्णव

6 शिक्षा को हिंसक नहीं, संवेदनशील बनाना होगा

7 खुशी में वादे न करो और दुख में फैसला न करो : भाग्यश्री

फर्स्ट टेक

अगर हमे खतरा हुआ तो दक्षिण कोरिया को मिटा देंगे : उत्तर कोरिया

सियोल/एपी। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने चेतावनी दी कि अगर उनकी सुरक्षा को खतरा हुआ तो परमाणु-संपन्न देश दक्षिण कोरिया को ''पूरी तरह से मिटा'' सकता है। उन्होंने सियोल के साथ बातचीत करने से एक बार फिर इनकार कर दिया। सरकारी मीडिया ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। हालांकि, सत्तारूढ़ पार्टी की एक बैठक के समापन के दौरान उन्होंने अगले पांच वर्षों के लिए अपने नीतिगत लक्ष्यों की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए वाशिंगटन से बातचीत के लिए अपने रास्ते खुले रखे। हाल के वर्षों में किम ने सियोल के प्रति अपनी बयानबाजी को और तीखा कर दिया है और उसके साथ कूटनीति के प्रति अपनी अस्वीकृति पर जोर दिया है। विशेषज्ञों का कहना है कि इससे सैन्य संघर्ष की आशंका नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य एक व्यापक रणनीति को आगे बढ़ाना है, जिसके तहत किम के परमाणु हथियारों और मॉस्को तथा बीजिंग के साथ संबंधों के बल पर उत्तर कोरिया की अधिक मजबूत और प्रभावशाली भूमिका स्थापित करना है।

ओडिशा में 225 करोड़ रुपए का हशीश तेल जब्त

कोरापुट/भाषा। ओडिशा के कोरापुट जिले के एक जंगल में बृहस्पतिवार को करीब 225 करोड़ रुपये मूल्य का हशीश तेल बरामद किया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर, पुलिस अधीक्षक (एसपी) रोहित वर्मा के नेतृत्व में एक टीम ने आंध्र प्रदेश की सीमा से लगे झोलापुट जंगल में एक विनिर्माण इकाई का भंडाफोड़ किया। पुलिस उपमहानिरीक्षक (दक्षिण-पश्चिमी रेंज) कंवर विशाल सिंह ने बताया, ''छापेमारी के दौरान, गांजे से निकाला गया 1,800 लीटर से अधिक हशीश तेल बरामद किया गया। जब्त किए गए प्रतिबंधित तेल का बाजार मूल्य करीब 225 करोड़ रुपये है।'' उन्होंने कहा कि आरोपी वहां से भाग गए और उन्हें गिरफ्तार करने के प्रयास जारी हैं। उन्होंने कहा कि गांजे के खिलाफ सख्त कार्रवाई के कारण तस्करों ने अपने तौर-तरीके बदल दिए हैं।

27-02-2026 सूर्यास्त 6:17 बजे | 28-02-2026 सूर्योदय 6:25 बजे

BSE	NSE
82,248.61	25,496.55
(-27.46)	(+14.05)

सोना	चांदी
16,580 रु.	280,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

तटस्थ-साँच

जो ना तो हां ना करते ना,
हर मुद्दे पर रहते तटस्थ।
जिनके अपने मत नहीं सिद्ध,
वे हैं महंत सब सिद्धहस्त।
हो स्वयं भ्रमित फैलाते भ्रम,
रहते निजता में अस्तव्यस्त।
जो हवा देख करके चलते,
सचमुच हैं वे मौकापरस्त।।

हर घुसपैठिये को बाहर निकालेंगे हम : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अररिया (बिहार)/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बृहस्पतिवार को विश्वास जताया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) आगामी पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव जीतेगी और राज्य से ''हर एक घुसपैठिये'' को बाहर निकालेगी। उन्होंने कहा कि जनसांख्यिकीय बदलाव से सर्वाधिक प्रभावित राज्यों में पश्चिम बंगाल शामिल है।

शाह ने यह बात बिहार के अररिया जिले में कही, जहां उन्होंने सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की 175 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का लोकार्पण किया और दो नए सीमा चौकियों को राष्ट्र को समर्पित किया। उन्होंने कहा कि देश से हर एक घुसपैठिये को बाहर निकालना भाजपा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा, ''ये लोग न केवल राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा हैं, बल्कि गरीबों के लिए बनी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाकर उनके प्रभाव को भी कम करते हैं।''

शाह ने कहा कि बड़े पैमाने पर घुसपैठ से सीमावर्ती इलाकों में अतिक्रमण भी बढ़ता है और इसे हटाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है।

उन्होंने कहा, ''घुसपैठ जनसांख्यिकीय बदलाव का खतरा भी पैदा करती है, जो किसी क्षेत्र की संस्कृति और यहां तक कि उसकी भौगोलिक स्थिति को भी प्रभावित कर सकती है।''

सेना निर्णायक जमीनी कार्रवाई के लिए तैयार, नहीं डरेगी : पश्चिमी सेना के कमांडर

पठानकोट/भाषा। पश्चिमी कमान के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल मनोज कुमार कटियार ने बृहस्पतिवार को कहा कि सेना भविष्य की किसी भी आपात स्थिति के लिए पूरी तरह तैयार है और परमाणु धमकियों से नहीं डरेगी। सैन्य अधिकारी ने जोर देकर कहा कि भविष्य में होने वाले किसी भी संघर्ष का निर्णायक परिणाम जमीन पर ही निकलेगा। लेफ्टिनेंट जनरल कटियार ने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान पाकिस्तान ने परमाणु धमकियां देते हुए लगातार युद्धविराम की मांग की।

पश्चिमी कमान के प्रमुख ने कहा, उन्होंने (पाकिस्तानी सेना ने) कहा था कि अगर वे हारे, तो वे आधी दुनिया को अपने साथ ले जाएंगे। 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान हमने उनकी परमाणु धमकियों को नजरअंदाज कर दिया। इस बार, हम पहले की तुलना में बेहतर तरीके से तैयार हैं और हमारे पास भविष्य की एक स्पष्ट योजना है।

पाकिस्तानी हवाई हमलों के जवाब में अफगानिस्तान ने की जवाबी कार्रवाई

काबुल/एपी। अफगानिस्तान के सैन्य अधिकारियों ने कहा है कि कुछ दिन पहले पाकिस्तान द्वारा किये गए हवाई हमलों के जवाब में उन्होंने उसके खिलाफ हमले शुरू कर दिये हैं। अफगानिस्तान के सैन्य कोर के पूर्वी क्षेत्र के मीडिया कार्यालय द्वारा जारी एक बयान में कहा गया कि बृहस्पतिवार रात भारी संघर्ष शुरू हो गए हैं। उसने कहा कि ये हमले पाकिस्तानी सेना द्वारा नंगरहार और पक्तिया प्रांतों में किए गए हालिया हवाई हमलों के जवाब में किए गए। पाकिस्तान ने इस संबंध में तत्काल कोई पुष्टि नहीं की और हताहतों की भी अभी कोई जानकारी नहीं मिली है। पाकिस्तान की सेना ने अफगानिस्तान सीमा के पास रविवार को हमले किए थे और दावा किया था कि इनमें कम से कम 70 आतंकवादी मारे गए। अफगानिस्तान ने उस दावे को खारिज किया और कहा कि इसमें कई आम नागरिक मारे गए हैं, जिनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं।

भारत ने व्यावहारिक नीतियों के माध्यम से चुनौतियों का सामना किया : जयशंकर

पुणे/भाषा। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बृहस्पतिवार को कहा कि मौजूदा दशक उथल-पुथल भरा रहा है, लेकिन भारत ने चुनौतियों का घरेलू स्तर पर ठोस और व्यावहारिक नीतियों के माध्यम से सामना किया है। जयशंकर ने पुणे इंटरनेशनल सेंटर द्वारा आयोजित एशिया इकनॉमिक डायलॉग के नौवें संस्करण में पहले से रिकॉर्ड किए गए अपने संदेश में कहा कि एकपक्षीय दिशा में होने वाले वैश्वीकरण का युग समाप्त हो गया है और अंतरराष्ट्रीय संबंधों की प्रकृति के बारे में लंबे समय से चली आ रही धारणाएं अब सवालों के घेरे में हैं। विदेश मंत्री ने कहा, यह दशक पहले ही उथल-पुथल भरा रहा है, लेकिन आने वाले समय में और भी उथल-पुथल की आशंका है। भारत ने घरेलू स्तर पर ठोस और व्यावहारिक नीतियों के माध्यम से चुनौतियों का सामना किया। वैश्विक वार्ताओं के प्रति अधिक आत्मविश्वासपूर्ण और वस्तुतः लाभकारी दृष्टिकोण में भी यही झलक दिखायी देती है। उन्होंने कहा कि आर्थिक प्रकृति के निर्णय अब राजनीति और सुरक्षा संबंधी विचारों पर अधिक आधारित होते हैं और यह भी कि पुन: औद्योगीकरण को एक अत्यावश्यक रणनीतिक आवश्यकता के रूप में देखा जा रहा है। जयशंकर ने कहा कि प्रौद्योगिकी, क्षमताएं और संसाधन तेजी से रणनीतिक परिसंपत्तियां माने जा रहे हैं।

सत्ता खुद को राष्ट्र समझने लगे तो लोकतंत्र मर जाता है : राहुल

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बृहस्पतिवार को मोदी सरकार पर असहमति को ''अपराध'' बना देने का आरोप लगाया और कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को यह समझना चाहिए कि भारत उत्तर कोरिया नहीं है और जब सत्ता खुद को राष्ट्र समझने लगे तो ''लोकतंत्र मर जाता'' है। उन्होंने यह भी कहा कि शांतिपूर्ण विरोध अपराध नहीं, लोकतंत्र की आत्मा है तथा सवाल पूछने से लोकतंत्र मजबूत होता है। राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''आज भारत में 'कंप्रोमाइज्ड पीएम' के राज में शांतिपूर्ण विरोध करना ही सबसे बड़ा अपराध बना दिया गया है। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र को धीरे-धीरे ऐसी दिशा में धकेला जा रहा है, जहां असहमति को देशद्रोह और सवाल पूछने को साज़िश बताया जाता है।'' उन्होंने कहा, ''सोचिए, मुद्दा कोई भी हो, अगर आप सत्ता के खिलाफ संवैधानिक तरीके से आवाज उठाते हैं, तो लाठी, मुकदमा और जेल, यह लगभग तय है। पेपर लीक से त्रस्त युवाओं ने अपने भविष्य के लिए आवाज उठाई, जवाब लाठियों से मिला।

भगवद् गीता की आध्यात्मिक शिक्षाएं आज के युवाओं को नई दिशा दे सकती हैं : मुर्मू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जमशेदपुर/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बृहस्पतिवार को कहा कि भगवद् गीता की आध्यात्मिक शिक्षाएं आज के युवाओं को एक नई दिशा दे सकती हैं और उनके जीवन को संवार सकती हैं। मुर्मू, झारखंड के जमशेदपुर के कदमा क्षेत्र में श्री जगन्नाथ आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक धर्मार्थ केंद्र न्यास के शिलान्यास समारोह के बाद एक सभा को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा, जमशेदपुर में भगवान जगन्नाथ मंदिर आध्यात्मिक शिक्षा और सांप्रदायिक सद्भाव का केंद्र होगा। यहां छात्रावास में लड़कियों सहित गरीब बच्चों की शिक्षा सुनिश्चित होगी।

राष्ट्रपति ने कहा कि भगवद् गीता में निहित शिक्षाएं आत्मिक पोषण हैं। मुर्मू ने प्रस्तावित आध्यात्मिक केंद्र के निर्माण में योगदान देने वालों की भी सराहना की। उन्होंने इस बारे में कहा कि यह युवाओं में भगवद् गीता की शिक्षाओं को आत्मसात करने और उनके व्यक्तित्व को आकार देने में मदद करेगा। राष्ट्रपति ने कहा, हमारी आध्यात्मिक परंपरा में सभी जीवित प्राणियों और पौधों के प्रति प्रेम व करुणा की भावना को सर्वोच्च महत्व दिया जाता है। उन्होंने कहा, महाप्रभु जगन्नाथ समस्त ब्रह्मांड के स्वामी हैं। उनकी कृपा समस्त मानवता पर बिना किसी भेदभाव के समान रूप से बरसती है। मुर्मू ने कहा कि भगवान जगन्नाथ के द्वार पर जाति, धर्म या छुआछूत नहीं होता है। उन्होंने कहा कि इसी कारण भगवान जगन्नाथ को 'जगत के नाथ' भी कहा जाता है। मुर्मू ने झारखंड की राज्यपाल के रूप में अपने कार्यकाल को याद करते हुए कहा कि राज्य ने सामाजिक सद्भाव का एक उत्तम उदाहरण प्रस्तुत किया है और आदिवासी परंपराओं को संरक्षित रखा है। केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने इस अवसर पर कहा कि अब तक देशभर में 500 से अधिक जगन्नाथ मंदिर बनाए जा चुके हैं।

हमारी आध्यात्मिक परंपरा में सभी जीवित प्राणियों और पौधों के प्रति प्रेम व करुणा की भावना को सर्वोच्च महत्व दिया जाता है।

श्री जगन्नाथ आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक परमार्थ केंद्र न्यास के प्रबंध न्यासी और उद्योगपति एस. के. बेहरा ने बताया कि प्रस्तावित आध्यात्मिक केंद्र ओडिशा के पुरी स्थित 12वीं शताब्दी के जगन्नाथ मंदिर की प्रतिकृति होगा।

भारत, इजराइल ने अपने संबंधों को विशेष रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

यरुशलम/भाषा। भारत और इजराइल ने समय की कसौटी पर खरे साबित हुए अपने संबंधों को बृहस्पतिवार को विशेष रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक आगे बढ़ाया और पारस्परिक रूप से लाभकारी मुक्त व्यापार समझौते को जल्द ही अंतिम रूप देने पर सहमति व्यक्त की। इजराइल का दौरा कर रहे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गाजा शांति पहल का समर्थन करते हुए कहा कि मानवता को कभी संघर्ष का शिकार नहीं बनना चाहिए।

इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ विभिन्न मुद्दों पर विस्तृत चर्चा के बाद अपने मीडिया बयान में मोदी ने कहा कि भारत का सुरक्षा हित पश्चिम एशिया में शांति और स्थिरता से जुड़ा है, और कहा कि नयी दिल्ली गाजा शांति पहल का पूरी तरह से समर्थन करती है।

दोनों प्रधानमंत्रियों की बैठक के बाद, भारत और इजराइल ने कुल 17 समझौतों और दस्तावेजों पर हस्ताक्षर किए, जो कृत्रिम बुद्धिमत्ता, व्यापार, निवेश, शिक्षा, विनिर्माण, संस्कृति, समुद्री विरासत, कृषि और अन्य क्षेत्रों में गहन सहयोग प्रदान करेंगे।

भारत और इजराइल ने प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के ढांचे के तहत सैन्य उपकरणों के संयुक्त विकास और उत्पादन की दिशा में काम कर अपनी घनिष्ठ रक्षा साझेदारी का और विस्तार करने का भी संकल्प लिया।

विदेश सचिव विक्रम मिसरी के अनुसार, वार्ता में अमेरिका-ईरान गतिरोध और क्षेत्र के अन्य मुद्दों पर चर्चा हुई और प्रधानमंत्री मोदी ने संवाद के महत्व में भारत के दृढ़ विश्वास का उल्लेख किया तथा शांतिपूर्ण समाधान प्राप्त करने की दिशा में, यदि आवश्यक हो, तो समर्थन देने के लिए नयी दिल्ली की तत्परता को दोहराया।

अपने मीडिया बयान में, प्रधानमंत्री मोदी ने भारत-इजराइल संबंधों की बढ़ती प्रगति के बारे में विस्तार से चर्चा की और कहा कि यह संबंध गहरे विश्वास, साझा लोकतांत्रिक मूल्यों और मानवीय करुणा की मजबूत नींव पर बना है।

ईडी ने अनिल अंबानी से नौ घंटे तक पूछताछ की

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बृहस्पतिवार को कथित बैंक धोखाधड़ी से जुड़े धनशोधन के मामले में रिलायंस समूह के चेयरमैन अनिल अंबानी से नौ घंटे से अधिक समय तक पूछताछ की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यह जांच उनके समूह की कंपनी रिलायंस कम्युनिकेशंस (आरकॉम) द्वारा कथित रूप से 40,000 करोड़ रुपये से अधिक के बैंक ऋण धोखाधड़ी मामले से संबंधित है। अधिकारियों ने बताया कि यस बैंक के खिलाफ कथित ऋण धोखाधड़ी से जुड़े एक अलग मामले में अनिल अंबानी को शुक्रवार को फिर से पूछताछ के लिए बुलाया गया है। अनिल अंबानी (66) पूर्वाह्न करीब साढ़े 10 बजे मध्य दिल्ली स्थित संघीय जांच एजेंसी के कार्यालय पहुंचे और रात आठ बजकर 20 मिनट पर कार्यालय से निकले। इससे पहले यस बैंक से कथित ऋण धोखाधड़ी में उनसे अगस्त 2025 में इस मामले में पूछताछ की गई थी।

तमिलनाडु के अधिकांश दलों ने विधानसभा चुनाव एक ही चरण में कराने का अनुरोध किया : निर्वाचन आयोग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने बृहस्पतिवार को यहां राजनीतिक दलों से परामर्श किया और इस दौरान अधिकांश पार्टियों ने एक ही चरण में चुनाव कराने का अनुरोध किया। निर्वाचन आयोग के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। दलों ने चुनाव के दौरान धनबल के प्रयोग और मुफ्त सौगातों के वितरण पर अंकुश लगाने के लिए कड़े उपायों की मांग की।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार, निर्वाचन आयुक्त सुखबीर सिंह संधू व विवेक जोशी, राज्य की मुख्य निर्वाचन अधिकारी अर्चना पटनायक और आयोग के वरिष्ठ अधिकारियों ने यहां राष्ट्रीय व राज्य स्तर के मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के साथ चर्चा की। अधिकारियों ने बताया कि तमिलनाडु में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के शांतिपूर्ण और सुचारू संचालन के लिए अधिकांश राजनीतिक दलों ने आयोग की सराहना की।

उन्होंने बताया, अधिकांश राजनीतिक दलों ने आयोग से एक ही चरण में चुनाव कराने का अनुरोध किया। आम आदमी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी, भारतीय जनता पार्टी, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी, कांग्रेस और राष्ट्रीय जन पार्टी के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। राज्य के दलों की बात करें तो अन्नाद्रमुक, द्रमुक, डीएमडीके, नाम तमिलर काची और विदुथलाई चिरुथाइगल काची ने भाग लिया। तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव इस साल अप्रैल में होने हैं।

राजनीतिक दलों ने आयोग से चुनाव के दौरान धनबल के इस्तेमाल और मुफ्त सौगातों के वितरण पर अंकुश लगाने के लिए कड़े कदम उठाने का आग्रह किया। कुछ राजनीतिक दलों ने चुनाव के दौरान कदाचार को रोकने के लिए उड़न दस्तों की संख्या बढ़ाने की मांग की। ज्ञानेश कुमार ने सभी राजनीतिक दलों को आश्वासन दिया कि चुनाव हमेशा कानून के अनुसार, स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से कराए जाते हैं।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने सभी दलों को आश्वासन दिया कि आयोग प्रलोभन से संबंधित सभी गतिविधियों पर कड़ी कार्रवाई करेगा। दलों ने आयोग से चुनाव तिथियों को अंतिम रूप देते समय त्योहारों को ध्यान में रखने का भी आग्रह किया और कुमार ने आश्वासन दिया कि इस पर विचार किया जाएगा।

बिरला ने न्यायाधीश वर्मा को हटाने के कारणों पर जांच करने वाली समिति का पुनर्गठन किया

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने पिछले साल मार्च में न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के आवास से जली हुई नकदी बरामद होने के मामले में उन्हें पद से हटाने के कारणों की जांच के लिए गठित तीन सदस्यीय समिति का पुनर्गठन किया है। लोकसभा सचिवालय के एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को बताया कि समिति को 26 फरवरी से तीन महीने का कार्यकाल विस्तार भी दिया गया है। बिरला ने पिछले साल 12 अगस्त को इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश को हटाने के लिए एक बहुदलीय नोटिस स्वीकार करने के बाद महाभियोग की प्रक्रिया को तेज करते हुए समिति का गठन किया था।

लोकसभा महासचिव उत्पल कुमार सिंह द्वारा बुधवार को जारी एक अधिसूचना में कहा गया है कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा को हटाने के लिए जिन कारणों पर विचार की प्रार्थना की गई है, उनकी जांच के लिए तीन सदस्यों वाली समिति का आंशिक संशोधन के साथ पुनर्गठन किया है। इस समिति में उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति अरविंद कुमार, बंबई उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति चन्द्रशेखर और कर्नाटक उच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता बी.वी. आचार्य को शामिल किया गया है।

अनिल अंबानी और रिलायंस कम्युनिकेशंस के खिलाफ 2,220 करोड़ रुपए के बैंक 'धोखाधड़ी' मामले में सीबीआई ने नया मामला दर्ज किया

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने उद्योगपति अनिल अंबानी एवं रिलायंस कम्युनिकेशंस (आरकॉम) के खिलाफ 2013-17 के दौरान बैंक ऑफ बड़ौदा से कथित तौर पर धोखाधड़ी करने और बैंक को 2,220 करोड़ रुपए से अधिक का नुकसान पहुंचाने के आरोप में एक नया मामला दर्ज किया है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि यह मामला मंगलवार को बैंक से मिली शिकायत के आधार पर दर्ज किया गया है। सीबीआई प्रवक्ता ने एक बयान में कहा, ''मामला दर्ज होने के बाद सीबीआई ने अनिल अंबानी के आवास और रिलायंस कम्युनिकेशन लिमिटेड के पंजीकृत कार्यालयों पर छापेमारी की है। इस ऋण लेनदेन से जुड़े कई दस्तावेज बरामद किए गए हैं।''

प्रवक्ता ने कहा, प्राथमिकी में आरोप है कि रिलायंस कम्युनिकेशंस द्वारा लिए गए ऋणों के कारण बैंक ऑफ बड़ौदा को 2,220 करोड़ रुपए से अधिक का नुकसान हुआ है। आरोप है कि इन ऋणों को संबंधित पक्षों के साथ फर्जी लेनदेन करके कथित तौर पर गलत तरीके से इस्तेमाल किया गया। अधिकारियों के अनुसार, खाते को 2017 में ही गैर-निष्पादित परिसंपत्ति घोषित कर दिया गया था। प्रवक्ता ने कहा, ''हालांकि, अनिल अंबानी की ओर से बम्बई उच्च न्यायालय में दायर याचिका के आधार पर, उच्च न्यायालय ने खातों को धोखाधड़ी वाला घोषित करने पर रोक लगा दी थी।

बारामती विमान हादसे की जांच में पता किया जा रहा है कि साजिश थी या आपराधिक लापरवाही : सीआईडी

पुणे/भाषा। महाराष्ट्र अपराध जांच विभाग (सीआईडी) ने बृहस्पतिवार को कहा कि बारामती विमान दुर्घटना की जांच का मुख्य उद्देश्य यह पता लगाना है कि यह साजिश थी या आपराधिक लापरवाही। इस दुर्घटना में उपमुख्यमंत्री अजित पवार और चार अन्य लोगों की मौत हो गई थी। सीआई के अतिरिक्त महानिदेशक (एडीजी) सुनील रामानंद ने एक प्रेस वार्ता में कहा कि घटना की जांच विस्तृत और पेशेवर तरीके से की जा रही है। रामानंद ने कहा, ''सीआईडी जांच का उद्देश्य यह पता लगाना है कि विमान दुर्घटना में कोई गड़बड़ी तो नहीं की गई थी। इसमें यह भी जांच की जाएगी कि क्या कोई आपराधिक लापरवाही हुई थी और तीसरा यह भी पता लगाया जाएगा कि क्या किसी आपराधिक कृत्य को अंजाम तो नहीं दिया गया, जैसे कोई जरूरी कार्य को नहीं किया गया हो जिसके कारण यह दुर्घटना हुई।''

मोदी ने इजराइल में प्रौद्योगिकी प्रदर्शनी का किया दौरा, कंपनियों को भारत में निवेश का दिया आमंत्रण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

यरुशलम/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इजराइल की प्रौद्योगिकी कंपनियों को भारत में निवेश करने और भारतीय युवाओं के साथ साझेदारी करने का आमंत्रण दिया है।

उन्होंने कृत्रिम मेधा(एआई), स्वास्थ्य सेवा और कृषि जैसे क्षेत्रों में अग्रणी नवाचारों को प्रदर्शित करने वाली एक प्रदर्शनी का बुधवार को दौरा किया। इस दौरान उनके साथ इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू भी मौजूद रहे। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया पर बृहस्पतिवार को जानकारी देते हुए लिखा प्रदर्शनी में प्रौद्योगिकी जगत के ''विशेष नवाचारों'' की झलक देखने को मिली। उन्होंने कहा, '' कृत्रिम मेधा, क्वांटम, स्वास्थ्य सेवा, साइबर सुरक्षा, जल संसाधन, कृषि आदि क्षेत्रों में इजराइली युवाओं के अग्रणी कार्यों को देखा। इजराइली कंपनियों से भारत में निवेश करने और हमारे प्रतिभाशाली युवाओं के साथ काम करने का आग्रह किया।'' प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, प्रदर्शनी में कृषि-प्रौद्योगिकी, जल-प्रौद्योगिकी, जलवायु-प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य-जैव प्रौद्योगिकी, स्मार्ट परिवहन, एआई, साइबर सुरक्षा और क्वांटम प्रौद्योगिकी

में विशेषज्ञता रखने वाली अग्रणी इजराइली कंपनियों और शोध संस्थानों ने भाग लिया।

विज्ञप्ति में कहा गया कि नवाचार एवं प्रौद्योगिकी साझेदारी भारत-इजराइल द्विपक्षीय संबंधों का प्रमुख आधार है। दोनों देश 'इंडिया-इजराइल इनोवेशन ब्रिज' पहल के माध्यम से आधुनिक चुनौतियों के समाधान विकसित करने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं।

इस दौरान प्रधानमंत्री ने वैज्ञानिकों, प्रौद्योगिकी उद्यमियों और विभिन्न कंपनियों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों से बातचीत की।

प्रधानमंत्री ने नवप्रवर्तकों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदर्शित अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी में भारत-इजराइल सहयोग को स्टार्टअप, नवाचार एवं व्यापारिक साझेदारियों में विशेष रूप से कृषि, जल प्रबंधन, स्वास्थ्य सेवा एवं डिजिटल सेवाओं के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों तक ले जाने की अपार क्षमता है। उन्होंने इजराइली कंपनियों से भारत में निवेश, विनिर्माण और प्रौद्योगिकी साझेदारी के अवसरों का पता लगाने तथा वैश्विक चुनौतियों के समाधान संयुक्त रूप से विकसित करने के लिए भारतीय युवाओं के साथ काम करने का आग्रह किया। प्रधानमंत्री मोदी दो दिवसीय यात्रा पर बुधवार को इजराइल पहुंचे। यह नौ वर्ष में उनकी इजराइल की दूसरी यात्रा है।

एनसीईआरटी विवाद पर प्रधान ने कहा, जवाबदेही तय करेंगे और कार्रवाई की जाएगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जमशेदपुर/नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) द्वारा आठवीं कक्षा की पाठ्यपुस्तक में न्यायपालिका में भ्रष्टाचार पर एक अध्याय शामिल किए जाने को लेकर बृहस्पतिवार को नाराजगी जतायी। उन्होंने जवाबदेही तय करने और पाठ्यक्रम के विवादास्पद अंश को तैयार करने में शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने का वादा किया। प्रधान ने इस बात पर जोर भी दिया कि सरकार न्यायपालिका का पूरा सम्मान करती है और इस संस्था का अनादर करने का उसका कोई इरादा नहीं है।

उनकी यह टिप्पणी ऐसे दिन आई है, जब उच्चतम न्यायालय ने पाठ्यक्रम के विवादित अंश के संदर्भ में कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि न्यायिक संस्था को कमजोर करने और न्यायपालिका की गरिमा को ठेस पहुंचाने के लिए ''एक सुनियोजित प्रयास किया गया है।'' शीर्ष अदालत ने एनसीईआरटी की आठवीं कक्षा की सामाजिक विज्ञान की पाठ्यपुस्तक पर ''पूर्ण प्रतिबंध'' लगा दिया। न्यायालय ने पुस्तक की सभी प्रतियों को जब्त करने के साथ-साथ इसके डिजिटल संस्करण को भी हटाने का आदेश दिया। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा, ''उन्होंने आघात किया है। न्यायपालिका आहत हुई है।'' एक दिन पहले एनसीईआरटी ने सामाजिक विज्ञान की पाठ्यपुस्तक में ''अनुचित सामग्री'' के लिए माफी मांगी थी और कहा था कि उपयुक्त प्राधिकारों से परामर्श करके इसे फिर से लिखा जाएगा। पीठ में न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली भी शामिल हैं। पीठ ने एनसीईआरटी के निदेशक और विद्यालय शिक्षा विभाग के सचिव को कारण बताओ नोटिस जारी किया तथा उनसे यह बताने को कहा कि इसके लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ अवमानना की कार्यवाही क्यों शुरू नहीं की जानी चाहिए। घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रधान ने कहा, जो कुछ हुआ है उससे मैं बहुत दुखी हूं और खेद व्यक्त करता हूं... न्यायपालिका का अपमान करने का कोई इरादा नहीं था। जांच की जाएगी और जवाबदेही तय की जाएगी। अध्याय तैयार करने में शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। जैसे ही हमें (ऐसी सामग्री होने की) जानकारी मिली, पाठ्यपुस्तकों का वितरण रोक दिया गया।'' उन्होंने जमशेदपुर में पत्रकारों से कहा, ''भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में न्यायपालिका सर्वोच्च है और हम उसका पूरा सम्मान करते हैं। हमने इस मुद्दे को गंभीरता से लिया है। अदालत के निर्देशों का पालन किया जाएगा।''

प्रधान एक समारोह में भाग लेने के लिए जमशेदपुर में थे, जहां राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने जगन्नाथ आध्यात्मिक केंद्र की आधारशिला रखी। एनसीईआरटी की आठवीं कक्षा की सामाजिक विज्ञान की पाठ्यपुस्तक में कहा गया है कि भ्रष्टाचार, काफी संख्या में मुकदमों का लंबित रहना और न्यायाधीशों की कमी न्यायिक प्रणाली के समक्ष पेश आने वाली चुनौतियों में शामिल हैं। उच्चतम न्यायालय द्वारा यह स्पष्ट चेतावनी दिए जाने के बाद कि वह धरती पर किसी को भी न्यायपालिका की गरिमा को धूमिल करने नहीं देगा, एनसीईआरटी ने पाठ्यपुस्तक को अपनी वेबसाइट से हटा दिया।

गूगल मैप पर जल्द दिखेंगे अधिकृत आधार केंद्र, यूआईडीएआई ने की पहल

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) और प्रौद्योगिकी कंपनी गूगल ने देशभर में अधिकृत 'आधार' केंद्रों को गूगल मैप पर प्रदर्शित करने के लिए साझेदारी की है। आधिकारिक बयान के मुताबिक, इस पहल से लोग गूगल मैप पर खोज कर यह जान सकेंगे कि संबंधित आधार केंद्र पर वयस्क नामांकन, बच्चों का नामांकन या केवल पता और मोबाइल नंबर अपडेट की सुविधा जैसी कौन-सी सेवाएं उपलब्ध हैं।

इसके अलावा गूगल मैप पर आधार केंद्र की सुगम्यता से जुड़ी जानकारी भी दिखाई जाएगी। इसमें दिव्यांगजन के अनुकूल ढांचा, पार्किंग सुविधा और कार्य समय की जानकारी शामिल होगी। यह सुविधा आने वाले महीनों में शुरू होने की संभावना है। इस सहयोग से देश भर में मौजूद 60,000 से अधिक आधार केंद्रों तक लोगों की आसान पहुंच सुनिश्चित होगी। यूआईडीएआई के सीईओ भुवनेश कुमार ने कहा, आधार संख्या धारकों के जीवन को आसान बनाना हमारी प्राथमिकता है। यह सहयोग अधिकृत आधार केंद्रों तक पहुंच को सरल, तेज और पारदर्शी बनाएगा। साझेदारी के अगले चरण में यूआईडीएआई 'गूगल बिजनेस प्रोफाइल' के जरिये केंद्रों की जानकारी का प्रबंधन करेगा।

वैश्विक स्तर पर जोखिम से सोने की 'चमक' कायम रहने की उम्मीद : रिपोर्ट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। वैश्विक स्तर पर डॉलर के प्रभाव में कमी, राजकोषीय दबाव और बढ़ते वैश्विक तनावों के कारण दुनिया में वित्तीय व्यवस्था में हो रहे बदलावों को देखते हुए सोने का दीर्घकालिक दृष्टिकोण सकारात्मक बना हुआ है और इसमें तेजी बने रहने की उम्मीद है।

मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लि. (एमओएफएसएल) ने सोने पर अपनी तिमाही रिपोर्ट में कहा कि 2026 की शुरुआत में सोने की कीमत 5,000 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस के पार पहुंच गई। यह आधुनिक इतिहास में सबसे मजबूत दीर्घकालिक तेजी के दौर में से एक है। रिपोर्ट के अनुसार, सोना 'संरचनात्मक रूप से पुनर्मूल्यांकन चरण' में प्रवेश कर चुका है। यह चक्रीय तेजी के बजाय एक नए 'सुपरसाइकल' की शुरुआत का संकेत है। एमओएफएसएल को उम्मीद है कि अगले 12 महीनों में कॉमेक्स सोने की कीमत 6,000 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस (घरेलू बाजार में 1.85 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम) के आसपास स्थिर होगी। यदि वैश्विक स्तर पर तनाव और राजकोषीय उपाय तेज होते हैं तो मध्यम अवधि में यह 7,500 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस तक भी पहुंच सकती है।

मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लि. के जिंस शोध मामलों के प्रमुख नवनीत दमानी ने कहा, ''सोने के लिए दीर्घकालिक दृष्टिकोण सकारात्मक बना हुआ है। जैसे-जैसे वैश्विक भंडार धीरे-धीरे डॉलर-केंद्रित परिसंपत्तियों से हटकर विविधीकरण की ओर बढ़ रहे हैं और भौतिक आपूर्ति सीमित बनी हुई है, सोने की कीमत 5,000 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस के आसपास और उससे ऊपर बनी रहने की संभावना है।''

दमानी ने कहा कि यह चक्र न केवल मुद्रास्फीति से, बल्कि राजकोषीय और मौद्रिक प्रणालियों में विश्वास का भी परिणाम है।

रिपोर्ट के अनुसार, 2023 से 2025 के बीच वास्तविक ब्याज दर सकारात्मक होने पर भी सोने की कीमतों में वृद्धि जारी रही, जबकि आमतौर इस स्थिति में कीमतें गिरती हैं।

जिम्मेदारी से वाहन चलाने को बढ़ावा देने को 'ग्रेड' आधारित ड्राइविंग लाइसेंस प्रणाली लाने की तैयारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और जिम्मेदारी से वाहन चलाने को बढ़ावा देने के लिए 'ग्रेड' आधारित ड्राइविंग लाइसेंस प्रणाली लागू करने की योजना बना रही है। इसके तहत यातायात नियमों के उल्लंघन पर अंक काटे जाएंगे और गंभीर या बार-बार उल्लंघन की स्थिति में लाइसेंस निलंबित या रद्द किया जा सकेगा।

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि देश में हर वर्ष करीब 1.8 लाख लोगों की मौत मोबाइल फोन का इस्तेमाल करते हुए वाहन चलाने, तेज रफ्तार, गलत दिशा में जाने या नशे में गाड़ी चलाने जैसे कारणों से होती है। राष्ट्रीय राजधानी में उद्योग संगठन भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि लोगों का जीवन अत्यंत महत्वपूर्ण है और सरकार सड़क सुरक्षा के लिए कई कदम उठा रही है। गडकरी ने बताया कि सरकार पहले ही यातायात नियमों के उल्लंघन पर जुर्माना बढ़ा चुकी है, लेकिन सबसे बड़ी चुनौती नियमों का प्रभावी क्रियान्वयन है। उन्होंने कहा, '' हम ड्राइविंग लाइसेंस में 'ग्रेडेड अंक प्रणाली' ला रहे हैं।'' मंत्री ने समझाते हुए कहा कि यातायात उल्लंघन पर कुछ अंक काटे जाएंगे। यदि सभी अंक समाप्त हो जाते हैं तो दोषी का लाइसेंस छह महीने के लिए निलंबित किया जा सकता है या अपराध दोहराने पर रद्द भी किया जा सकता है। यह योजना जल्द ही शुरू की जाएगी।

गडकरी ने कहा कि सड़क सुरक्षा देश के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण विषय है। भारत में हर साल करीब पांच लाख सड़क दुर्घटनाएं होती हैं और 1.8 लाख लोगों की जान जाती है। उन्होंने बताया कि हादसे में जान गंवाने वाले लोगों में से 72 प्रतिशत 18 से 45 वर्ष आयु वर्ग के लोग हैं। 18 वर्ष से कम आयु के 10,119 लोगों की दुर्घटनाओं में जान गई।

दिल्ली को 2047 तक ज्ञान की राजधानी के तौर पर स्थापित करने का लक्ष्य : सूद

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने बृहस्पतिवार को महाराजा अग्रसेन कॉलेज में एक नए छात्र 'स्टूडेंट फैसिलिटी सेंटर' का उद्घाटन किया और 'इंडियन नॉलेज ट्रेडिशन सेंटर' की आधारशिला रखी। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई है। मंत्री ने दिल्ली विश्वविद्यालय के कॉलेज में एक मल्टीमीडिया सेमिनार हॉल, पांच स्मार्ट क्लासरूम और एक आरएफआईडी-सक्षम पुस्तकालय प्रबंधन प्रणाली का भी उद्घाटन किया।

सूद ने कहा कि सरकार बेहतर बुनियादी ढांचे और प्रौद्योगिकी के माध्यम से उच्च शिक्षा को मजबूत करने के लिए काम कर रही है और उसका राजधानी की शिक्षा प्रणाली में दीर्घकालिक सुधार लाने का लक्ष्य है। 'स्टूडेंट फैसिलिटी सेंटर' विद्यार्थियों को एक समग्र एवं अनुकूल शैक्षणिक वातावरण प्रदान करेगा, वहीं 'इंडियन नॉलेज ट्रेडिशन सेंटर' भारतीय ज्ञान, संस्कृति एवं परंपराओं के अध्ययन एवं अनुसंधान को नई दिशा देगा। शिक्षा मंत्री ने कहा कि दिल्ली में किसी भी उच्च शिक्षा संस्थान को कोष के संकट का सामना नहीं करना पड़ेगा तथा कोई भी शिक्षक अपनी गरिमा की रक्षा के लिए सड़क पर आने को मजबूर नहीं होगा। सूद ने कहा, सरकार स्मार्ट बुनियादी ढांचे के विस्तार के लिए 'बड़े पैमाने पर और तेजी से' काम कर रही है, जिसमें अगले चरण में कक्षा नौवीं से 12वीं तक की 7,000 कक्षाओं को स्मार्ट क्लासरूम में बदलने की योजना शामिल है। इस कार्यक्रम में दिल्ली विवि से संबद्ध, दिल्ली सरकार द्वारा पूर्णतः वित्तपोषित 12 कॉलेजों के प्राचार्यों का प्रतिनिधिमंडल भी उपस्थित था।

छह साल में छत्तीसगढ़ में नक्सलियों से 989 हथियार बरामद: उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रायपुर/भाषा। छत्तीसगढ़ में पिछले छह सालों में नक्सलियों के साथ मुठभेड़, आत्मसमर्पण करने वाले और गिरफ्तार माओवादियों से एके-47, इंसास और एसएलआर राइफल समेत 989 हथियार बरामद किए गए हैं। यह जानकारी उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने बृहस्पतिवार को विधानसभा में दी।

विपक्ष के नेता चरण दास महंत के एक सवाल के लिखित जवाब में शर्मा ने यह भी बताया कि पिछले सात सालों में नक्सलियों ने पुलिस और सुरक्षा बलों से 48 हथियार लूटे हैं। उन्होंने कहा कि लूटे गए हथियारों में दो एसएलआर, एलएमजी, 29 एके -47 राइफल, दो सात इंसास राइफल और तीन

9एमएम पिस्तौल शामिल हैं। शर्मा के पास गृह विभाग भी है। महंत ने अपने सवाल में 2019-20 से इस वर्ष 31 जनवरी तक सुरक्षा बलों से नक्सलियों द्वारा लूटे गए हथियारों की जानकारी मांगी थी। उन्होंने यह भी पूछा था कि 2020 से अब तक कितने नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया, गिरफ्तार हुए या पुलिस मुठभेड़ में मारे गए तथा उनसे कितने और किस तरह के हथियार बरामद या ज़ब्त किए गए।

अपने जवाब में, शर्मा ने कहा कि एक जनवरी, 2020 से 31 जनवरी, 2026 तक, अलग-अलग मुठभेड़ में कुल 4,340 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया, 3,644 गिरफ्तार हुए और 666 मारे गए। उन्होंने कहा कि इन मुठभेड़ों के बाद 671 हथियार बरामद किए गए। उन्होंने कहा कि इसी दौरान, गिरफ्तार नक्सलियों से 80 हथियार ज़ब्त किए गए, जबकि आत्मसमर्पण करने वालों से 238 हथियार बरामद किए गए।

शर्मा ने कहा कि कुल बरामद हथियारों में 70 एके -47 राइफलें, 82 सेल्फ लोडिंग राइफलें (एसएलआर) और 75 इंसास राइफलें थीं। गृहमंत्री ने कहा एक जनवरी 2019 से 31 जनवरी 2026 के बीच नक्सलियों ने सुरक्षा बलों से 48 हथियार लूटे थे, जिनमें 29 एके -47 राइफलें, सात इंसास राइफलें और दो एसएलआर शामिल हैं।

बुकिंग के 48 घंटे के भीतर हवाई टिकट रद्द करने पर नहीं लगेगा शुल्क, नियमों में संशोधन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। विमान यात्री अब बुकिंग के 48 घंटों के भीतर बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के हवाई टिकट रद्द करा सकते हैं या उसमें बदलाव कर सकते हैं। हालांकि, यह कुछ शर्तों पर निर्भर करेगा। नागर विमानन नियामक डीजीसीए ने इसको लेकर टिकट किराया वापसी नियमों में संशोधन किया है।

नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने नियमों में संशोधन करते हुए यह भी कहा कि यदि यात्री, बुकिंग के 24 घंटों के भीतर नाम में किसी प्रकार की गलती को बताता है और टिकट सीधे एयरलाइन की वेबसाइट के माध्यम से बुक किया गया है, तो एयरलाइन कंपनियों को उसी व्यक्ति के नाम पर सुधार के लिए कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं लेना चाहिए।

डीजीसीए ने कहा, ''ट्रैवल एजेंट/पोर्टल के माध्यम से टिकट खरीदने की स्थिति में, पैसे वापसी की जिम्मेदारी एयरलाइन कंपनियों की होगी क्योंकि एजेंट उनके नियुक्त प्रतिनिधि होते हैं। एयरलाइन कंपनियों को यह सुनिश्चित करना होगा कि पैसे वापस करने की प्रक्रिया 14 कार्य दिवसों के भीतर पूरी हो जाए।'' इसके अलावा, चिकित्सा आपात स्थिति के कारण यात्रियों के टिकट रद्द करने के नियमों में भी बदलाव किए गए हैं। समय पर रिफंड न मिलने की यात्रियों की बढ़ती शिकायतों को देखते हुए हवाई टिकट वापसी के लिए नागर विमानन आवश्यकताओं (सीएआर) में संशोधन किए गए हैं।

दिसंबर, 2025 में इंडिगो की उड़ानें रद्द होने के दौरान भी टिकट वापसी का मुद्दा प्रमुखता से सामने आया था। उस समय नागर विमानन मंत्रालय ने एयरलाइन कंपनियों को निर्धारित समयसीमा के भीतर रिफंड करने का निर्देश दिया था। संशोधित नियम 24 फरवरी को जारी किए गए थे। अब

एयरलाइंस को निर्देश दिया गया है कि वे यात्रियों को टिकट बुक करने के बाद 48 घंटे की अवधि के लिए 'लुक इन' यानी उसे अद्यतन करने का विकल्प प्रदान करें।

नियामक ने कहा, ''इस अवधि के दौरान यात्री बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के टिकट रद्द या संशोधित कर सकते हैं। लेकिन जिस संशोधित उड़ान के लिए टिकट लेना चाहते हैं, उसके लिए जो भी किराया बनता है यानी किराये में जो अंतर है, वह देना होगा। नियामक ने कहा, ''जब टिकट सीधे एयरलाइन की वेबसाइट के माध्यम से बुक किया जाता है, यह सुविधा उन उड़ानों के लिए उपलब्ध नहीं होगी जिनकी प्रस्थान तिथि घरेलू उड़ानों के मामलों में बुकिंग की तारीख से सात दिन से कम और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए 15 दिन से कम है।'' बुकिंग समय के 48 घंटे बाद, यह विकल्प उपलब्ध नहीं होगा और यात्री को संशोधन के लिए टिकट रद्द कराने को लेकर संबंधित शुल्क का भुगतान करना होगा। डीजीसीए ने यह भी कहा है कि यदि यात्री द्वारा टिकट बुकिंग के 24 घंटे के भीतर नाम में किसी तरह की गलती बताई जाती है और टिकट सीधे एयरलाइन की वेबसाइट से बुक किया जाता है, तो उसी व्यक्ति के नाम में सुधार के लिए एयरलाइन को कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं लेना चाहिए। नियामक के अनुसार, चिकित्सा आपात स्थिति के कारण टिकट रद्द होने की स्थिति में एयरलाइन कंपनी पैसा वापस कर सकती है या 'क्रेडिट' विकल्प प्रदान कर सकती हैं। इसके तहत यदि यात्री या उसी पीएनआर में सूचीबद्ध परिवार का कोई सदस्य यात्रा के दौरान अस्पताल में भर्ती होता है, तो यह नियम लागू होगा।

डीजीसीए ने कहा, ''अन्य सभी परिस्थितियों में, यात्री की यात्रा के लिए 'फिटनेस' का प्रमाण पत्र एयरलाइन के एयरोस्पेस मेडिसिन विशेषज्ञ/डीजीसीए द्वारा सूचीबद्ध एयरोस्पेस मेडिसिन विशेषज्ञ से प्राप्त होने के बाद पैसे वापस किए जाएंगे। अनुसूचित विमानन कंपनियों को दिसंबर, 2025 में यात्रियों से संबंधित कुल 29,212 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 7.5 प्रतिशत 'रिफंड' से संबंधित थीं।

तमिलनाडु में भाकपा नेता नल्लाकन्नू को पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी गयी

चेन्नई। तमिलनाडु में बृहस्पतिवार को मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन, सैकड़ों नेताओं, कार्यकर्ताओं और आम जनता ने भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) के वरिष्ठ नेता व स्वतंत्रता सेनानी आर. नल्लाकन्नू को अंतिम विदाई दी। नल्लाकन्नू का बुधवार को सरकारी अस्पताल में निधन हो गया था। सूत्रों ने बताया कि उनकी उम्र लगभग 101 वर्ष थी और अस्पताल में उम्र संबंधी बीमारियों का इलाज किया जा रहा था। पुलिसकर्मियों ने नल्लाकन्नू को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए 72 तोपों की सलामी दी और बिगुल बजाया। उनके पार्थिव शरीर को जनता द्वारा श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए यहां टी नगर स्थित भाकपा मुख्यालय में रखा गया था।

मुख्यमंत्री स्टालिन के अलावा, भाकपा के महासचिव डी राजा, राज्य सचिव एम वीरपांडियन, एमडीएमके प्रमुख वाइको और कई नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने नल्लाकन्नू को अंतिम विदाई दी। नल्लाकन्नू के पार्थिव शरीर को पार्टी के झंडे में लपेटकर अंतिम यात्रा निकाली गई, जिसमें सैकड़ों पार्टी कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। बाद में, नल्लाकन्नू की इच्छा के अनुसार, पार्थिव शरीर को अनुसंधान के लिए मद्रास मेडिकल कॉलेज को सौंप दिया गया।

तमिलनाडु चुनाव : सीईसी ज्ञानेश कुमार ने की राजनीतिक दलों के साथ बैठक, स्वतंत्र और निष्पक्ष इलेक्शन का दिलाया भरोसा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार ने गुरुवार को चेन्नई में राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय राजनीतिक दलों के साथ बैठक की। यह बैठक तमिलनाडु में होने वाले आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारियों के तहत आयोजित की गई। बैठक में तमिलनाडु के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) और आयोग के अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार गुरुवार को दोनों चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी के साथ तमिलनाडु के दौरे पर पहुंचे। बैठक में छह राष्ट्रीय दलों, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) आम आदमी पार्टी (आप), बहुजन समाज पार्टी (बसपा), भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी), कांग्रेस और नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। इसके अलावा, क्षेत्रीय पार्टी डीएमके, एआईएडीएमके, डीएमडीके, एनटीके और वीसीके के नेता भी बैठक में शामिल हुए।

अधिकारियों के अनुसार, अधिकतर राजनीतिक दलों ने तमिलनाडु में विशेष गहन

पुनरीक्षण (एसआईआर) के शांतिपूर्ण और सुचारु संचालन के लिए आयोग की सराहना की। उन्होंने चुनाव से पहले मतदाता सूची को अपडेट और व्यवस्थित करने के प्रयासों की प्रशंसा की। हालांकि, कई पार्टियों ने चुनाव के दौरान 'मनी पावर' और 'फ्रीबीज' के मुद्दे पर चिंता जताई। उन्होंने आयोग से ऐसी गड़बड़ियों को रोकने और सबको बराबर मौका देने के लिए कड़े कदम उठाने की अपील की। ङ्कुछ पार्टियों ने खास तौर पर कैंपेन के दौरान नियमों के उल्लंघन पर प्रभावी निगरानी के लिए फ्लाइंग स्क्वॉड और सर्विलांस टीमों की संख्या बढ़ाने की मांग की।

बैठक में एक प्रमुख मांग यह भी उठी कि तमिलनाडु विधानसभा चुनाव एक ही चरण में कराए जाएं। अधिकतर दलों का मत था कि एक दिन में मतदान होने से प्रशासनिक फोकस बना रहेगा और लंबे समय तक राजनीतिक तनाव से बचा जा सकेगा। इसके अलावा, कुछ दलों ने चुनाव कार्यक्रम तय करते समय प्रमुख त्योहारों की तिथियों का ध्यान रखने की भी अपील की, ताकि मतदाताओं को असुविधा न हो। चिंताओं के जवाब में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने सभी दलों को आश्वस्त किया कि भारत में चुनाव पूरी तरह कानून के अनुसार, स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से कराए जाते हैं।

उन्होंने दोहराया कि ईसीआई फ्रीबीज से संबंधित गतिविधियों पर सख्ती से अंकुश लगाएगा और उल्लंघनों के खिलाफ जरूरी कार्रवाई करेगा।

अहमदाबाद और मंगलूरु जंक्शन के बीच विशेष ट्रेनें

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। दक्षिण रेलवे से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार पश्चिमी रेलव ने विशेष होली के त्योहार के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए ट्रेन संख्या 09424/09423 अहमदाबाद-मंगलूरु जंक्शन-अहमदाबाद एक्सप्रेस स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है।

ट्रेन संख्या 09424 अहमदाबाद-मंगलूरु जंक्शन एक्सप्रेस स्पेशल की चार सेवाएं प्रत्येक शुक्रवार 7 फरवरी, 6 , 13 और 20 मार्च को अहमदाबाद से 16:00 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 20:00 बजे मंगलूरु जंक्शन पहुंचेगी। वापसी दिशा में, ट्रेन संख्या 09423 मंगलूरु जंक्शन-अहमदाबाद एक्सप्रेस स्पेशल प्रत्येक शनिवार को 28 फरवरी, 7, 14 और 21 मार्च को मंगलूरु जंक्शन से 22:30 बजे प्रस्थान करेगी और तीसरे दिन 02:15 बजे अहमदाबाद पहुंचेगी। इस ट्रेन में 2 एसी टू टियर कोच , 4 एसी थ्री टियर कोच, 12 स्लीपर क्लास कोच, 2 जनरल सेकंड क्लास कोच और 2 सेकंड क्लास कोच (दिव्यांगजन अनुकूल) होंगे।

यह ट्रेन नांदियाड, आनंद, वडोदरा, भरूच, सूरत, वापी, वसई रोड, भिवंडी रोड, पनवेल, पेन, रोहा, मानगांव, खेड़, चिपलून, सावरदा, संगमेश्वर रोड, रत्नागिरी, राजापुर रोड, वैभववाड़ी रोड, कंकावली, सिंधुदुर्ग, कुडाल, थिविम, करमाली, मडगांव, कैनाकोना, कारवार, अंकोला, गोकर्ण रोड, कुमता, मुर्देश्वर, भटकल, बिंदूर मूकाम्बिका रोड, कुंदापुरा, उडुप्पी, मुल्की और सुरथकल स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में अग्रिम आरक्षण 26 फरवरी से दोपहर 2 बजे से शुरू होगा।

ईडी निदेशक राहुल नवीन चेन्नई का दौरा करेंगे, महत्वपूर्ण मामलों की समीक्षा करेंगे

नई दिल्ली/चेन्नई। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के निदेशक राहुल नवीन इस सप्ताहांत चेन्नई का दौरा करेंगे और उन मामलों की समीक्षा करेंगे जिनमें तमिलनाडु में संघीय एजेंसी जांच कर रही है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। नवीन आज रात चेन्नई पहुंच सकते हैं। वह शुक्रवार को दक्षिणी क्षेत्र के सभी अधिकारियों से मुलाकात करेंगे ओर शनिवार को दिल्ली लौट सकते हैं।

अधिकारियों ने बताया कि ईडी प्रमुख तमिलनाडु में धन शोधन और विदेशी मुद्रा विनिमय उल्लंघन के मामलों की जांच की समीक्षा करेंगे। इनमें खासकर वे मामले होंगे जिनमें अदालतों ने हाल में निर्देश जारी किए हैं।

मद्रास उच्च न्यायालय ने पिछले सप्ताह तमिलनाडु सतर्कता और भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय (डीवीएसी) को राज्य सरकार के मंत्री के एन नेहरू के खिलाफ नगर प्रशासन एवं जल आपूर्ति विभाग में नियुक्तियों के लिए रिश्वत लिए जाने के आरोपों में प्राथमिकी दर्ज करने का आदेश दिया था। ईडी ने इस मामले में तमिलनाडु सरकार के साथ कुछ साक्ष्य और सूचनाएं साझा की हैं और डीवीएसी द्वारा प्राथमिकी दर्ज किए जाने की मांग की है ताकि धनशोधन संबंधी जांच शुरू हो सके।

नेहरू ने संवाददाताओं से बातचीत में आरोपों से इनकार किया था। अधिकारियों ने बताया कि ईडी निदेशक चेन्नई में स्थित उसके दो क्षेत्रीय कार्यालयों और राज्य में स्थित अन्य उप-क्षेत्रीय इकाइयों से जुड़े प्रशासनिक और कामकाज संबंधी मुद्दों की भी समीक्षा करेंगे।

'द केरल स्टोरी 2-गोज़ बियॉन्ड' की रिलीज पर लगी रोक

कोच्चि/भाषा। केरल उच्च न्यायालय ने बृहस्पतिवार को फिल्म 'द केरल स्टोरी 2-गोज़ बियॉन्ड' की रिलीज पर अंतरिम रोक लगा दी और कहा कि प्रथम दृष्टया प्रतीत होता है कि फिल्म को प्रमाणित करते समय सेंसर बोर्ड ने विवेक का इस्तेमाल नहीं किया है। न्यायमूर्ति बेचू कुरियन थॉमस ने फिल्म की रिलीज को चुनौती देने वाली दो याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए यह आदेश पारित किया। फिल्म 27 फरवरी को रिलीज होने वाली थी। अदालत ने अपने आदेश में यह भी कहा कि कोई फिल्म सामाजिक सद्भाव को भंग नहीं करे, यह सुनिश्चित करने के लिए केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) द्वारा निर्धारित दिशानिर्देशों का पालन नहीं किया गया।

ईडी ने चिदंबरम के खिलाफ मामलों की सुनवाई में तेजी लाने के लिए अभियोजन संबंधी मंजूरी दाखिल की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह कांग्रेस नेता पी चिदंबरम के खिलाफ धनशोधन के दो मामलों- एयरसेल-मैक्सिस सौदे और आईएनएक्स मीडिया- में त्वरित सुनवाई चाहता है और उसने पूर्व केंद्रीय वित्त मंत्री के खिलाफ अभियोजन के लिए आवश्यक मंजूरी अदालत के समक्ष प्रस्तुत कर दी है। संघीय जांच एजेंसी ने एयरसेल-मैक्सिस मामले में 2018 में और आईएनएक्स मीडिया मामले में 2020 में दिल्ली (राउज एवेन्यू) स्थित विशेष धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) अदालत में आरोप पत्र दायर किया था और अदालत ने 2021 में इन मामलों का अलग-अलग संज्ञान लिया था।

हालांकि, उच्चतम न्यायालय ने नवंबर 2024 में (ईडी बनाम बिभु प्रसाद आचार्य मामले में) निर्देश दिया था कि पीएमएलए के तहत आरोप पत्र में अभियोजन के लिए मंजूरी ठीक उसी तरह अनिवार्य है, जैसे आपराधिक प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) के तहत आरोप पत्र दाखिल करते समय मंजूरी दी जाती है। पीएमएलए के तहत आरोपी बनाए गए कई आरोपियों ने इस फैसले के बाद कई कानूनी मंचों पर कार्यवाही को चुनौती दी थी जिससे पी चिदंबरम के खिलाफ इन मामलों सहित मुकदमों में देरी हुई।

ईडी ने एक बयान में कहा, इस तरह की देरी से निपटने और माननीय न्यायालय के फैसले का अनुपालन करने के लिए ईडी ने लोक सेवकों से जुड़ी इस प्रकार की सभी अभियोजन शिकायतों में अभियोजन मंजूरी का अनुरोध कर त्वरित सुधारात्मक कार्रवाई शुरू कर दी है। एजेंसी ने कहा कि उसने चिदंबरम के खिलाफ अभियोग चलाने के लिए सक्षम प्राधिकारी से मंजूरी मांगी थी, जो 10 फरवरी को प्राप्त हुई थी। साथ ही पूर्व केंद्रीय मंत्री पर धनशोधन के दो मामलों में मुकदमा चलाने के लिए सीआरपीसी की धारा 197 (भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 218) के तहत आवश्यक आदेश भी प्राप्त हुआ था।

एजेंसी ने कहा, ''इस मामले में सुनवाई में तेजी लाने के लिए ईडी ने अभियोजन स्वीकृति आदेश विशेष अदालत (राउज एवेन्यू) के समक्ष पेश किया है।'' पी चिदंबरम और उनके बेटे कार्ति चिदंबरम उन पर लगे आरोपों से इनकार करते रहे हैं। पी चिदंबरम को एयरसेल-मैक्सिस मामले में आरोपी संख्या छह के रूप में नामजद किया गया था, जबकि आईएनएक्स मीडिया सौदा मामले के आरोपपत्र में उन्हें आरोपी संख्या एक के रूप में नामजद किया गया है।

तमिलनाडु भारतीय जनता पार्टी राज्य चुनाव कार्यालय का हुआ उद्घाटन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु भाजपा ने गुरुवार को चेन्नई के अयावु महल में अपने राज्य चुनाव कार्यालय का अधिकारिक तौर पर शुभारंभ किया। यह 2026 के तमिलनाडु विधानसभा चुनाव की तैयारी के लिए है।

भाजपा राज्य अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन ने पार्टी का झंडा फहराया और ऑफिस के कामकाज को जोश के साथ अधिकारिक तौर पर शुरू किया।

कार्यक्रम में केन्द्रीय मंत्री डॉ. एल मुरुगन, तमिलनाडु भाजपा को-इंचार्ज पोंगुलेटी सुधाकर रेड्डी, पूर्व केन्द्रीय मंत्री पोन. राधाकृष्णन, तेलंगाना की पूर्व गवर्नर और 2026 मैनिफेस्टो कमेटी की चेयरपर्सन तमिलिसाई सुंदरराजन और राष्ट्रीय भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की अध्यक्ष और कोयंबटूर दक्षिण की विधायक वनथी श्रीनिवासन आदि उपस्थित थे।

अन्नाद्रमुक का 10,000 रुपये की राहत देने का चुनावी 'वादा सुपरहिट' साबित होगा : पलानीस्वामी

चेन्नई। ऑल इंडिया अन्नाद्रमुक मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) के प्रमुख एडप्पाडी के. पलानीस्वामी ने दावा किया कि द्रविड मुनेत्र कषगम (द्रमुक) सरकार के कारण आर्थिक कठिनाइयों से जूझ रहे'' परिवारों को 10,000 रुपये की राहत देने का अन्नाद्रमुक का चुनावी वादा लोगों के बीच सुपरहिट' साबित होगा। अन्नाद्रमुक महासचिव पलानीस्वामी ने कहा कि मुख्यमंत्री एम के स्टालिन द्वारा चुनाव में हार के डर से जनता को 5,000 रुपये देने के बजाए अन्नाद्रमुक का वादा जनता को रास आएगा।

पलानीस्वामी ने कहा कि द्रमुक सरकार के समय महंगाई और करों में की गई वृद्धि के कारण लोगों की समस्याएं बढ़ गई है, जिन्हें कम करने के मकसद से लोगों को एकमुश्त अनुग्रह राशि देने के उनके कदम का लोगों ने स्वागत किया। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, ''पिछले पांच वर्षों से एम.के. स्टालिन सरकार द्वारा लगाए गए विभिन्न करों और शुल्कों के कारण भारी आर्थिक कठिनाइयों का सामना कर रहे तमिलनाडु के लोगों की मदद के लिए मैंने 10,000 रुपये देने की घोषणा की मेरी यह घोषणा लोगों के बीच बेहद लोकप्रिय हो गई है। लोग अन्नाद्रमुक को सत्ता में लाने के लिए चुनावों का इंतजार कर रहे हैं।''

उन्होंने बुधवार रात मदुरवॉयल और पून्थमल्ली विधानसभा क्षेत्रों में अपने ''मक्कलाई कापोम, तमिलगाथाई मीटपोम'' (लोगों को बचाओ, तमिलनाडु को बचाओ) अभियान के तहत सभाओं को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य की ''जनता जनविरोधी द्रमुक शासन'' को हटाने के लिए कमर कस रही है।

आईजेके ने अन्नाद्रमुक के साथ सीट बंटवारे पर बातचीत शुरू की

चेन्नई। शिक्षाविद टी आर पारिवेंधर के नेतृत्व वाली इंडिया जननायका काची (आईजेके) ने बृहस्पतिवार को ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) के साथ सीट बंटवारे पर बातचीत शुरू की। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के सहयोगी दलों में से सबसे पहले सीट बंटवारे की बातचीत शुरू करने वाली आईजीके ने कहा कि पार्टी ने तमिलनाडु में आगामी विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए सात सीट की पहचान की है।

आईजेके संस्थापक पारिवेंदार और इसके राष्ट्रीय अध्यक्ष रवि पचमुथु ने आज यहां अन्नाद्रमुक महासचिव एडप्पडी के. पलानीस्वामी से उनके ग्रीनवेज आवास पर मुलाकात कर संक्षिप्त चर्चा की। बाद में उन्होंने पत्रकारों से कहा कि आईजेके ने चुनाव लड़ने के लिए सात सीट मांगी है और पलानीस्वामी को सूची सौंपी है। उन्होंने बताया कि पलानीस्वामी भाजपा को साथ लेकर बातचीत को आगे बढ़ाने के लिए सहमत हो गए हैं।

जब पारिवेंदार से पूछा गया कि उनकी पार्टी ने किन-किन सीट पर लड़ना चाहती है तो उन्होंने कहा,हमने निर्वाचन क्षेत्रों की अपनी सूची प्रस्तुत कर दी है। इस पर आगे चर्चा होगी। हम द्रमुक को सत्ता से बेदखल करना चाहते हैं।'' पारिवेंदार ने 2010 में आईजीके नामक पार्टी बनायी थी।

राज्य में सत्ताधारी पार्टी केंद्र सरकार से वित्त पोषित परियोजनाओं का श्रेय खुद ले रही है : तमिलनाडु भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तमिलनाडु इकाई के अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन ने राज्य में द्रविड मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के नेतृत्व वाली सरकार पर केंद्रीय कल्याणकारी योजनाओं का अनुचित श्रेय लेने'' का बृहस्पतिवार को आरोप लगाया और कहा कि सत्तारूढ़ पार्टी केंद्र सरकार द्वारा वित्त पोषित तथा शुरू की गई परियोजनाओं पर केवल अपना ठप्पा लगा रही है। यहां राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के चुनाव कार्यालय का उद्घाटन करने के बाद नागेंद्रन ने पत्रकारों से कहा कि जल जीवन मिशन के तहत पेयजल जैसी बुनियादी सुविधाएं, सड़क अवसंरचना और आवास लागत का 60 प्रतिशत केंद्र सरकार द्वारा वित्त पोषित किया जा रहा है।

उन्होंने कहा, ''दुकानों पर मुफ्त राशन भी केंद्र सरकार द्वारा ही दिया जाता है, फिर भी राज्य सरकार इन योजनाओं पर सिर्फ अपना ठप्पा लगाकर इसका श्रेय खुद ले लेती हैं। आपको राज्य सरकार से पूछना चाहिए कि वे केंद्र सरकार को इन योगदानों का श्रेय क्यों नहीं दे रही है।'' ऑल इंडिया अन्नाद्रमुक मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) के नेतृत्व वाले राजग गठबंधन में पट्टाली मक्कल काची (पीएमके), तमिल मनिला कांग्रेस और कई अन्य क्षेत्रीय दल शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि गठबंधन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में हुआ था। मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन पर तीखा हमला बोलते हुए नागेंद्रन ने मौजूदा प्रशासन को जनता की सरकार के बजाय ''परिवार की सत्ता'' करार दिया।

उन्होंने कानून-व्यवस्था के पूरी तरह से ध्वस्त होने का आरोप लगाया और दावा किया कि राज्य में मादक पदार्थों की तस्करी बढ़ गई है। उन्होंने आरोप लगाया, वे ठीक से डीजीपी (पुलिस महानिदेशक) की नियुक्ति भी नहीं कर सकते। छात्र किताबों की जगह गांजा और चाकू लेकर घूम रहे हैं तथा शिक्षकों को भी डराया-धमकाया जा रहा है जबकि 10 से 70 साल की उम्र की महिलाएं और युवतियां यौन हिंसा का शिकार हो रही हैं।

राहुल गांधी ने वायनाड में भूस्खलन पीड़ितों के लिए 100 घरों की आधारशिला रखी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वायनाड/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बृहस्पतिवार को यहां 2024 के भूस्खलन के पीड़ितों के लिए पार्टी द्वारा निर्मित किए जाने वाले 100 घरों की आधारशिला रखी। कांग्रेस द्वारा 100 मकानों का निर्माण किया जा रहा है, जिनमें से प्रत्येक का क्षेत्रफल 1,100 वर्ग फुट और भूमि का क्षेत्रफल 8 सेंट होगा। सेंट भूमि मापन की एक इकाई है।

लोकसभा में विपक्ष के नेता ने प्रभावित परिवारों को आश्वासन दिया कि वह और उनका परिवार इस त्रासदी में सब कुछ खो चुके लोगों के साथ हमेशा खड़े रहेंगे।उन्होंने दो बड़े भूस्खलनों और उन पर लोगों की प्रतिक्रिया को याद किया। गांधी जी ने कहा, आपने बहुत कुछ खोया है, लेकिन आपने अपना हौसला नहीं खोया। आपने अपना साहस कभी नहीं खोया। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि आपने अपनी करुणा नहीं खोई। राहुल ने कहा कि प्रियंका गांधी वाद्रा ने पीड़ितों के लिए मकान बनाने की प्रक्रिया में कथित देरी की ओर इशारा किया था। उन्होंने कार्यक्रम को प्रभावित परिवारों के लिए एक प्रतीक और एक संदेश बताया। उन्होंने कहा, ठीक होने और उबरने की इस प्रक्रिया में हम आपके साथ हैं। जब भी आपको हमारी जरूरत होगी, हम आपके साथ खड़े रहेंगे।

प्रियंका ने कहा कि उन्होंने उन लोगों की पीड़ा देखी है जिन्होंने अपना सब कुछ खो दिया, यहां तक कि अपने परिवार के सदस्यों को भी। उन्होंने अन्यान और हन्नी का उदाहरण दिया, जिन्होंने भूस्खलन में अपने खेत और परिवार के सदस्यों को खो दिया।

उन्होंने कहा, हमने संसद में बार-बार आपकी आवाज उठाने की पूरी कोशिश की है। हमारे सभी सांसदों ने गृह मंत्री से मिलकर इसे राष्ट्रीय आपदा घोषित करने की मांग की। हमने प्रधानमंत्री को पत्र लिखा और संसद के बाहर विरोध प्रदर्शन किया।

उन्होंने कहा कि त्रासदी के बाद जिस बात ने उन्हें सबसे ज्यादा प्रभावित किया, वह लोगों का साहस था। उन्होंने कहा, आप सभी जिस तरह से एक साथ खड़े हुए, चाहे किसी भी धर्म या समुदाय से संबंधित हों, आपने सबसे महत्वपूर्ण समय में प्रेम और साहस का परिचय दिया। उन्होंने कहा कि त्रासदी के समय वह सांसद नहीं थीं, लेकिन उसके बाद से वह (पीड़ितों की) एक बेटी, बहन और परिवार का हिस्सा बन चुकी हैं।

वाद्रा ने कहा कि सभी राजनीतिक दलों ने पुनर्वास प्रक्रिया में योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि जनता का संघर्ष जारी है और पार्टी इस संघर्ष को सफलता में बदलने में उनके साथ खड़ी रहेगी। दोनों नेताओं ने भूस्खलन में अपनी दुकानें खोने वाले 40 लोगों को पांच-पांच लाख रुपये भी वितरित किए। इस कार्यक्रम में कांग्रेस और यूडीएफ के वरिष्ठ नेता उपस्थित थे।

जीटी एक्सप्रेस में आग

जांच रिपोर्ट में बैटरी की खराबी और चेन्नई के ईटीएल विभाग को दोषी ठहराया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। महाराष्ट्र के वर्धा के पास 17 फरवरी को दिल्ली-चेन्नई ग्रैंड ट्रंक एक्सप्रेस के एक डिब्बे में आपातकालीन लाइट यूनिट की बैटरी में आई खराबी के कारण आग लगी थी। रेलवे की एक शुरुआती जांच रिपोर्ट में यह दावा किया गया है।

रिपोर्ट में इस घटना के लिए चेन्नई डिपो के 'इलेक्ट्रिक ट्रेन लाइटिंग' (ईटीएल) विभाग को मुख्य रूप से जिम्मेदार ठहराया गया है। आठ सदस्यीय जांच दल में से सात ने निष्कर्ष निकाला कि साक्ष्य बताते हैं कि आग ट्रेन के सबसे पिछले डिब्बे के अंदर आपातकालीन लाइट यूनिट की बैटरी से शुरू हुई थी।

वहीं, जांच दल के एक सदस्य ने अलग राय जताते हुए ट्रेन की लाइट प्रणाली और वातानुकूलन के रखरखाव को घटना के लिए जिम्मेदार बताया।

रिपोर्ट के अनुसार, महाराष्ट्र के सिंधी रेलवे स्टेशन पर स्टेशन मास्टर और पॉइंट्समैन' ने 17 फरवरी को पूर्वाह्न 11:20 बजे सबसे पीछे वाले डिब्बे से धुआं और आग निकलते हुए देखा।

इसके अनुसार, उन्होंने लाल झंडी दिखाकर गार्ड को इशारा किया, लेकिन उसने ध्यान नहीं दिया। इसके बाद उप स्टेशन मास्टर ने वॉकी-टॉकी पर ट्रेन गार्ड को सूचित करने की कोशिश की, लेकिन स्पष्ट संचार न होने के कारण असफल रहे।

आखिरकार, अलार्म चेन खींचने के बाद पूर्वाह्न 11:22 बजे 22 डिब्बों वाली ट्रेन रुक सकी थी। इसके बाद दमकल वाहनों ने आग पर काबू पाया था।

निजी बसों की हड़ताल से लोग परेशान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में निजी बस संचालकों की हड़ताल बृहस्पतिवार को तीसरे दिन भी जारी रही जिससे राज्यभर में परिवहन सेवाएं बुरी तरह से बाधित हुईं और हजारों लोग परेशान हुए। निजी बस संचालक उनकी बसों के खिलाफ परिवहन विभाग की कार्रवाई का विरोध कर रहे हैं और जब्त बसों को छोड़ने जैसी मांगें उठा रहे हैं। निजी बसों की हड़ताल का असर रोजाना आवागमन करने वाले लोगों के साथ साथ खाटू-श्यामजी मेले में जाने वाले भक्तों पर भी पड़ा है। इसके साथ ही उन लोगों का कार्यक्रम भी गड़बड़ा गया है जो होली पर अपने गांव जाना चाहते थे।

मिली जानकारी के अनुसार कर्नाटक, महाराष्ट्र और दूसरे राज्यों में काम करने वाले लोग त्योहारी सीजन में गांव नहीं लौट पा रहे हैं। बस संचालक त्योहारी सीजन के लिए कर रही 'अग्रिम बुकिंग' रद्द कर रहे हैं। निजी बस संचालकों का कहना है कि हड़ताल के कारण राज्य में लगभग 35,000 बसें सड़क पर नहीं उतरी। हालांकि इसमें लोक परिवहन योजना के तहत आने वाली बसें शामिल नहीं हैं।

संचालकों का दावा है कि रोजाना लगभग 15 लाख यात्री राजस्थान आने-जाने वाली बसों में सफर करते हैं जिनमें कर्नाटक, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, बिहार और असम के यात्री शामिल हैं। उन्होंने कहा कि त्योहारी सीजन के लिए की गई 'अग्रिम बुकिंग' रद्द हो रही है। निजी बसों की इस हड़ताल के कारण राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम (आरएसआरटीसी) की बसों में यात्रियों की भीड़ है और लोगों को सीट मिलना मुश्किल हो रहा है। इस हड़ताल से राज्य के जोधपुर, पाली, उदयपुर और नागौर जैसे जिलों के कर्नाटक और महाराष्ट्र में काम करने वाले लोग बहुत अधिक परेशान हैं। कई निजी बस संचालक इन राज्यों के लिए बसें चलाते हैं।जोधपुर में एक 'ट्रैवल एजेंट' ने कहा कि हड़ताल की वजह से यात्रियों को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। 'प्राइवेट बस ऑपरेटर्स एसोसिएशन' के प्रदेश अध्यक्ष सत्यनारायण साहू ने कहा कि सरकार द्वारा मांगें माने जाने तक हड़ताल जारी रहेगी। उन्होंने दावा किया कि इस हड़ताल से न केवल बस संचालकों को बल्कि राज्य सरकार को भी राजस्व का नुकसान हो रहा है। उनके अनुसार सरकार को उनकी बसों से प्रति किलोमीटर लगभग पांच रुपये 'टोल रेवेन्यू' मिलता है।

एजेंट ने कहा कि इसके अलावा बसें नहीं चलने से राज्य के खजाने को डीजल पर वैट मद में राजस्व का नुकसान हो रहा है। निजी बसों की हड़ताल का मुद्दा बृहस्पतिवार को राजस्थान विधानसभा में भी उठा। निर्दलीय विधायक चंद्रभान सिंह और कांग्रेस की विधायक शिखा मील बराला ने शून्य काल में यह मामला उठाया तथा सरकार से हस्तक्षेप की अपील की। विधायक चंद्रभान सिंह ने स्थगन प्रस्ताव पर कहा कि निजी बसों की हड़ताल से लाखों यात्री परेशान हो रहे हैं तथा राजस्थान में रोजगार एवं पर्यटन उद्योग प्रभावित है।

उन्होंने कहा कि खाटू-श्यामजी मंदिर जाने वाले यात्री भी परेशान हो रहे हैं, ऐसे में सरकार इस हड़ताल को जल्द खत्म करवाए। बराला ने कहा कि होली से पहले हड़ताल की वजह से आम लोगों को बहुत परेशानी हुई है। उन्होंने कहा कि रोडवेज बसों में बहुत भीड़ है। बराला ने दावा किया कि हड़ताल की वजह से रोजी-रोटी के लिए इन बसों पर आश्रित करीब 3.5 लाख लोग बेरोजगार बैठे हैं और सरकार आंखें बंद कर बैठी है।

उन्होंने यह भी कहा कि सीकर जिले में चल रहे खाटू-श्यामजी मेले में जाने वाले लोगों को हड़ताल की वजह से परेशानी हो रही है और निजी टैक्सी संचालक बहुत ज्यादा किराया वसूल रहे हैं। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने इस मुद्दे पर सरकार से जवाब देने को कहा लेकिन विधानसभा अध्यक्ष ने इसकी अनुमति नहीं दी।

विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना की हुई शादी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उदयपुर। दक्षिण भारतीय फिल्म अभिनेता विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना बृहस्पतिवार को उदयपुर के बाहरी इलाके में अरावली की खूबसूरत पहाड़ियों से घिरे एक होटल में परिणय सूत्र में बंध गये। तेलुगु परंपराओं के अनुसार सम्पन्न हुई शादी की रस्में 23 फरवरी से शुरू हुए तीन दिवसीय प्री-वेडिंग समारोह का समापन थीं। विवाह के बाद मेहमानों ने होटल के बाहर काजू बर्फी बांटी। विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना 23 फरवरी को उदयपुर पहुंचे थे। अगले दो दिनों तक उनकी प्री-वेडिंग कार्यक्रम हुए।

इस दौरान होटल परिसर में एक मैत्रीपूर्ण क्रिकेट मैच हुआ, जिसे वीरोश प्रीमियर लीग नाम दिया गया था। दोनों कलाकारों ने इन समारोहों की झलकियां सोशल मीडिया पर साझा कीं। बुधवार को विजय देवरकोंडा ने हल्दी की रस्म की तस्वीरें साझा कीं, जिनमें गोलाकार पुष्प सज्जा, लकड़ी के छोटे स्टूल और रुशी तथा विजय लिखे प्लेकार्ड दिखाई दिए।

रश्मिका मंदाना ने भी तस्वीरें साझा कीं। पूरे आयोजन के दौरान सुरक्षा सख्त रही और होटल में निजी सुरक्षाकर्मियों की तैनाती की गई।

रश्मिका ने प्रशंसकों का आभार व्यक्त करते हुए घोषणा की थी कि इस विवाह को द वेडिंग ऑफ वीरोश कहा जाएगा। विजय देवरकोंडा तेलुगु सिनेमा में अर्जुन रेड्डी जैसी हिट फिल्म के लिए जाने जाते हैं, जबकि रश्मिका मंदाना गीता गोविंदम और पुष्पा: द राइज जैसी फिल्मों से लोकप्रिय हुईं। झीलों की नगरी उदयपुर महलों, विरासत होटलों के कारण हाई-प्रोफाइल शादियों का पसंदीदा स्थल बन गया है। हाल के वर्षों में यहां अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा की शादी (2023) और अमेरिकी व्यवसायी रामराजु मंटेना की बेटी की शादी (2025) भी हुई थी।

राहुल गांधी के भाषणों को जनता गंभीरता से नहीं लेती : अर्जुन राम मेघवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीकानेर । केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के बयान पर पलटवार किया। उन्होंने कहा कि नेता प्रतिपक्ष के किसी भी बात, सोशल मीडिया पोस्ट या फिर भाषण, जनता को भरोसा नहीं है क्योंकि जनता राहुल गांधी को गंभीरता से नहीं लेती है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी लगातार भारत-अमेरिका ट्रेड डील को लेकर केंद्र सरकार पर हमलावर हैं। उन्होंने कहा कि यह डील किसानों के हित में नहीं है। उन्होंने एक सभा में सरकार को चेतावनी दी है कि अगर हिम्मत है तो अमेरिका के साथ भारत की ट्रेड डील को समाप्त कर दीजिए। राहुल गांधी के बयान पर केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि राहुल गांधी के सोशल मीडिया पोस्ट और भाषणों का जनता पर ज्यादा असर नहीं होता। उन्होंने लोकसभा में वही बयान दिया जो उन्होंने भोपाल में कार्यकर्ताओं के सामने दिया था और लोकसभा में बोलने के बाद वे तुरंत चले गए। नियम तोड़ना, अनुशासन का पालन न करना और यह मान लेना कि सिर्फ नेहरू-गांधी परिवार के सदस्य ही सबसे जरूरी हैं, ये रवैया ठीक नहीं है।

उन्होंने कहा कि संसद के भीतर राहुल गांधी के इशारे पर महिला कांग्रेस सांसद पीएम मोदी की कुर्सी घेरने के लिए पहुंचती हैं। लोकतंत्र में जनता के वोट तय करते हैं कि पीएम कौन बनेगा। राहुल गांधी ने इससे पहले भी एक बार प्रयास किया था, जिसमें वह पीएम की कुर्सी तक पहुंचे थे।

इजरायल में पीएम मोदी को 'स्पीकर ऑफ द नेसेट' मेडल से सम्मानित किए जाने पर केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को स्पीकर ऑफ द केनेसट मेडल से सम्मानित किया जाना समस्त देशवासियों के लिए अत्यंत हर्ष और गौरव का क्षण है। यह सम्मान भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा, सशक्त नेतृत्व, और विश्व मंच पर बढ़ती प्रभावशीलता का प्रतीक है।

स्वतंत्रता सेनानी वीर सावरकर की पुण्यतिथि पर केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि मां भारती के अमर सपूत, प्रखर राष्ट्रवादी व महान विचारक स्वातंत्र्यवीर विनायक दामोदर सावरकर की पुण्यतिथि पर उन्हें कोटि-कोटि नमन! सामाजिक समरसता, हिंदुत्व और राष्ट्रवाद के महान ध्वजवाहक सावरकर का जीवन साहस और धैर्य का पर्याय है। उनके विचार भारत को परम वैभव पर ले जाने की शक्ति रखते हैं।

राजस्थान में हरित सार्वजनिक परिवहन की ऐतिहासिक शुरुआत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार आमजन को सुगम एवं सुरक्षित जीवन प्रदान करने लिए निरंतर कार्यरत है । इसी कड़ी में राजस्थान में स्वच्छ, आधुनिक एवं सतत शहरी परिवहन व्यवस्था को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि दर्ज करते हुए झच श-ईी ड्शुर के अंतर्गत प्रदेश के 08 प्रमुख शहरोंजयपुर , जोधपुर , उदयपुर , कोटा , बीकानेर , भीलवाड़ा , अलवर एवं अजमेर में कुल 675 इलेक्ट्रिक बसों के संचालन को स्वीकृति प्रदान की गई है। शहरवार आवंटन के अनुसार जयपुर को 150, जोधपुर को 100, अजमेर को 100, कोटा को 100, बीकानेर को 75, अलवर को 50, भीलवाड़ा को 50 तथा उदयपुर को 50 ई-बसें प्राप्त होंगी। इन बसों के संचालन से राज्य में प्रदूषण नियंत्रण, ईंधन बचत एवं शहरी यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ करने में मदद मिलेगी।

जयपुर में प्रथम चरण में प्राप्त होने वाली 150 ई-बसों के नियमित संचालन से पूर्व गुरुवार को 9 मीटर एवं 12 मीटर श्रेणी की बसों का ट्रायल प्रारंभ किया गया है, जो 28 फरवरी 2026 तक जारी रहेगा। ट्रायल के लिए बस में मिट्टी से भरे कनस्तर एवं थैले रखे गए हैं । 9 मीटर ई-बस की बैठने की क्षमता 25 यात्रियों, एक व्हीलचेयर एवं चालक सहित है, जबकि 12 मीटर ई-बस में 31 यात्रियों, एक व्हीलचेयर एवं चालक के बैठने की व्यवस्था है।

ये बसें दिव्यांगजन अनुकूल सुविधाओं से सुसज्जित हैं , जिससे समावेशी परिवहन व्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा। इसी के साथ ही इन बसों में पैनिक बटन, पैसेन्जर डिस्प्ले बोर्ड, स्पीकर, ड्राईवर डिस्प्ले बोर्ड, सीसीटीवी कैमरा, ऑटोमैटिक पेसेन्जर काउन्ट कैमरा आदि सुविधाएँ उपलब्ध कराई गई हैं ।

उल्लेखनीय है की इस संबंध में जयपुर सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विस लिमिटेड द्वारा चयनित फर्म के साथ 07 जुलाई 2025 को अनुबंध निष्पादित किया जा चुका है। अप्रैल 2026 से जयपुर में इन ई-बसों का नियमित संचालन प्रस्तावित है। संचालन हेतु आवश्यक चार्जिंग अवसंरचना का निर्माण सफल संवेदक द्वारा निर्धारित तकनीकी मानकों के अनुरूप कराया जाएगा। ई-बसों के ट्रायल का तकनीकी परीक्षण गउढडङ एवं उठखढ की विशेषज्ञ टीमों द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है, ताकि सुरक्षा, गुणवत्ता एवं परिचालन दक्षता के सभी मानकों की पुष्टि सुनिश्चित की जा सके।

राष्ट्रपति मुर्मू 'प्रचंड' हेलिकॉप्टर में उड़ान भरेंगी

जैसलमेर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू राजस्थान के अपने दौरे के तहत शुक्रवार को सुबह जैसलमेर वायुसेना स्टेशन पर, देश में बने हल्के लड़ाकू हेलीकॉप्टर 'प्रचंड' में उड़ान भरेगी। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। रक्षा सूत्रों के अनुसार, भारतीय सेना की सर्वोच्च कमांडर राष्ट्रपति मुर्मू दौरे में अपने अन्य कार्यक्रमों में भाग लेने से पहले एलसीएच 'प्रचंड' में उड़ान भरेंगी। हल्का लड़ाकू हेलीकॉप्टर (एलसीएच) 'प्रचंड' भारत का पहला देश में ही डिज़ाइन और बनाया गया लड़ाकू हेलीकॉप्टर है। इसे हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड ने बनाया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अक्टूबर 2022 में जोधपुर वायु सेना स्टेशन पर वायुसेना को पहला 'प्रचंड' सौंपते समय इसमें उड़ान भरी थी। मिली जानकारी के अनुसार, अपने दौरे के तहत राष्ट्रपति शाम को भारत-पाक अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास पोकरण फील्ड फायरिंग रेंज में वायु सेना का 'वायु शक्ति' अभ्यास देखेंगी।

विद्यालय मैदान में खेलते समय नौ वर्षीय बच्ची की हृदयाघात से मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के नागौर जिले के एक निजी विद्यालय में नौ वर्षीय बच्ची की कथित तौर पर खेलते समय अचानक गिरने से मौत हो गयी। चिकित्सकों के मुताबिक मौत का कारण हृदय गति रुकना हो सकता है। यह घटना 23 फरवरी की सुबह गोटन कस्बे में हुई। विद्यालय के निदेशक रामकुंवार ओला ने बताया कि पांचवीं कक्षा में पढ़ने वाली दिव्या बापेडिया तालनपुर की रहने वाली थी। सामान्य दिनों की तरह 23 फरवरी की सुबह विद्यालय आई थी। उन्होंने बताया कि प्रार्थना होने में कुछ समय बचा था तथा इस दौरान दिव्या और कुछ बच्चे मैदान में खेल रहे थे। खेलते समय अचानक दिव्या बेहोश होकर मैदान में गिर गई।

उन्होंने बताया कि विद्यालय कर्मचारी उसे तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। चिकित्सकों ने बताया कि मौत का कारण हृदय गति रुकना होने की आशंका है। घटना का सीसीटीवी फुटेज बृहस्पतिवार को सोशल मीडिया पर सामने आया, जिसमें दिव्या को गिरने से कुछ क्षण पहले खेलते हुए देखा जा सकता है। गोटन के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी डॉ. सुखराम ने बताया कि बच्ची के शरीर पर कोई बाहरी चोट भी नहीं थी। प्रारंभिक जांच में हृदयाघात को ही मौत का संभावित कारण माना गया। परिजनों ने पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर दिया।

राजस्थान और मध्य प्रदेश मिलकर राम की महिमा बढ़ा रहे : मोहन यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भीलवाड़ा । मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा है कि राम की महिमा राजस्थान और मध्य प्रदेश मिलकर बढ़ा रहे। इसके साथ ही मध्य प्रदेश सरकार राम और कृष्ण के जहां-जहां चरण पड़े, उन स्थानों को तीर्थ स्थल के रूप में विकसित कर रही है। मुख्यमंत्री यादव गुरुवार को राजस्थान के भीलवाड़ा में हरिशेवा उदासीन आश्रम के स्थानापति महामण्डलेश्वर स्वामी हंसराम महाराज की मौजूदगी में हुए सनातन मंगल महोत्सव, संत समागम एवं दीक्षा महोत्सव में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति की जड़ें सेवा, समर्पण, विश्व बंधुत्व और सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय की परोपकारी भावना में निहित हैं। सेवाभाव ही हमारी संस्कृति का प्राण है और जीवमात्र की सेवा ही श्रीहरि की सेवा है, सम्पूर्ण मानवता की सेवा है। उन्होंने कहा कि 'रा से राजस्थान' और 'म से मध्यप्रदेश' मिलकर राम की महिमा बढ़ा रहे हैं। हमारी सरकार राम और कृष्ण के जहां-जहां चरण पड़े, उन स्थानों को तीर्थ स्थल के रूप में विकसित कर रही है। हम श्रीरामचन्द्र गमन पथ और श्री कृष्ण पाथेय तैयार कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री यादव ने कहा कि सामाजिक जीवन में नैतिक मूल्यों, करुणा, सद्भाव और समरसता के प्रसार में संतजनों की भूमिका निरापद रूप से अत्यंत ही महत्वपूर्ण है। हंसराम महाराज धर्म के सभी मूल्यों, भक्ति, सेवा, सत्य और अहिंसा को जीवंत रख रहे हैं। आश्रम के माध्यम से हजारों असहायों को सहारा दिया। उन्होंने कहा कि हमारी सरकारें जीवन मूल्यों, शिक्षा, स्वास्थ्य, सेवा और पर्यावरण पर एकजुट होकर काम कर रही हैं। हमें संकल्प लेना होगा कि बच्चों को वेद-पुराण पढाएं, संस्कार दें, सेवा में लगाएं और धर्म की रक्षा करें। धर्म केवल पूजा नहीं, हमारी जीवन पद्धति है। सेवा से श्रीहरि मिलते हैं। भक्ति से मुक्ति मिलती है। इसलिए हम सब मिलकर संकल्प लें कि समाज में एकता लाएंगे, युवाओं को अच्छे संस्कार देंगे और भारत को एक बार फिर विश्व गुरु बनाएंगे।

मुख्यमंत्री यादव ने कहा कि सिंहस्थ कुंभ के माध्यम से उज्जैन को देशभर के साधु-संतों का आशीर्वाद मिलता रहा है। सनातन संस्कृति में हमारे बच्चे परिवार को अमरता प्रदान करते हैं। यत्र पिंडे-तत्र ब्रह्मांडे, जैसा हमारे पिंड में है वैसा ही ब्रह्मांड में है। संतों के माध्यम से करोड़ों साल से ज्ञान की गंगा प्रवाहित होती रही है।

साधु-संतों के जरिए हमें देवताओं के दर्शन होते हैं। सनातन मंगल महोत्सव एवं संत समागम में तीन युवा संतों ईशानराम महाराज, केशवराम महाराज और सुमज्ञराम महाराज को सन्यास की दीक्षा दिलाई गई। मुख्यमंत्री यादव ने तीनों युवा संन्यासियों का माल्यार्पण एवं नमन करते हुए उनका अभिनंदन किया।

ज्ञान, नवाचार और संस्कार के समन्वय से ही 'विकसित भारत 2047' का निर्माण संभव : वासुदेव देवनानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने जयपुर में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि ज्ञान, नवाचार और संस्कार के समन्वय से ही 'विकसित भारत 2047' का निर्माण संभव है। देवनानी जयपुर स्थित मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान में बृहस्पतिवार को राजस्थान विज्ञान महोत्सव के उद्घाटन कार्यक्रम में बोल रहे थे। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर शुरू इस तीन दिवसीय महोत्सव के उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि विधानसभा अध्यक्ष देवनानी थे।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, राजस्थान सरकार, विज्ञान भारती राजस्थान तथा मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस महोत्सव में वैज्ञानिकों, शोधार्थियों, विद्यार्थियों, उद्योग प्रतिनिधियों तथा नवाचार से जुड़े युवाओं की सहभागिता रही। देवनानी ने कार्यक्रम की विषयवस्तु 'विज्ञान में महिलाएं, विकसित भारत के लिए प्रेरक शक्ति' पर विचार व्यक्त करते हुए कहा, भारतीय सनातन परम्परा में नारी को सृजन और ज्ञान की मूल शक्ति माना गया है। उन्होंने प्राचीन विदुषियों जैसे गार्गी, मैत्रेयी और लोपामुद्रा का उदाहरण देते हुए बताया कि कैसे वेदों के समय से ही महिलाएं वैज्ञानिक दृष्टिकोण की वाहक रही हैं। आधुनिक भारत में महिला वैज्ञानिकों की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए देवनानी ने कहा, अंतरिक्ष अनुसंधान, रक्षा प्रौद्योगिकी और वैज्ञानिक नवाचार के क्षेत्र में भारतीय बेटियों ने वैश्विक स्तर पर उत्कृष्टता स्थापित की है। अवसर और संसाधन मिलने पर वे देश की वैज्ञानिक क्षमता को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा रही हैं। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि विज्ञान केवल प्रयोगशालाओं तक सीमित विषय नहीं है, बल्कि यह समाज के समग्र विकास, नवाचार और मानवीय मूल्यों से जुड़ा जीवन दृष्टिकोण है। उन्होंने कहा, जब तक विज्ञान को संस्कार और मानवता से नहीं जोड़ा जाएगा, तब तक वास्तविक प्रगति संभव नहीं है।

लठमार होली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

गुरुवार को मथुरा के नंदगांव में आयोजित लठमार होली उत्सव के दौरान लोग पारंपरिक अंदाज़ में होली खेलते हुए।

योगी ने की यामानाशी प्रांत के गवर्नर से मुलाकात, हरित हाइड्रोजन प्रौद्योगिकी पर समझौता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जापान के यामानाशी प्रांत के गवर्नर कोतारो नागासाकी से बृहस्पतिवार को मुलाकात की। इस दौरान उत्तर प्रदेश सरकार और यामानाशी प्रांत के बीच हरित हाइड्रोजन प्रौद्योगिकी को लेकर समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए।

राज्य सरकार द्वारा लखनऊ में जारी बयान के मुताबिक इस समझौते के तहत भारतीय छात्रों को जापान में उच्चस्तरीय प्रशिक्षण दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने यामानाशी में आयोजित 'यूपी इन्वेस्टमेंट रोड शो' में प्रदेश की नई विकास नीति और निवेश संभावनाओं को वैश्विक उद्योग जगत के सामने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने बताया कि उत्तर प्रदेश तथा यामानाशी के बीच हरित हाइड्रोजन प्रौद्योगिकी को लेकर एमओयू पर हस्ताक्षर हुए हैं। इसके तहत उत्तर प्रदेश के उच्च प्रौद्योगिकी संस्थानों के छात्र जापान में प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। आदित्यनाथ ने कहा यह पहल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शुद्ध शून्य लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में

महत्वपूर्ण साबित होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी अगुवाई में राज्य सरकार के प्रतिनिधिमंडल ने टोक्यो में कई जी2जी (सरकार से सरकार) और जी2बी (सरकार से व्यवसाय) स्तर की बैठकों में भाग लिया, जहां भारतीय दूतावास के सहयोग से जापानी उद्योग समूहों से व्यापक संवाद हुआ। बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री ने 'रोबोटिक्स' को भविष्य की प्रमुख प्रौद्योगिकी बताते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार ने बजट में 'रोबोटिक्स' के लिए 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' स्थापित करने की व्यवस्था की है। बयान के मुताबिक, बैठक के दौरान गवर्नर कोतारो नागासाकी ने जापान के 200 मुख्य कार्यपालक अधिकारियों (सीईओ) के साथ अगस्त में उत्तर प्रदेश की यात्रा करने का प्रस्ताव दिया। मुख्यमंत्री ने इसका स्वागत किया और कहा कि यह यात्रा राज्य में औद्योगिक निवेश एवं साझेदारी को नई गति देगी।

शंकराचार्य का दावा : मैंने भी आशुतोष ब्रह्मचारी पर वाद दायर कराया

वाराणसी (उप्र)/भाषा। ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कहा है कि उन्होंने उनपर प्राथमिकी दर्ज कराने वाले आशुतोष ब्रह्मचारी के खिलाफ भी पॉक्सो अदालत में वाद दायर कर दिया है। शंकराचार्य ने यहां संवाददाताओं से कहा कि उन्होंने पॉक्सो अधिनियम की धारा 22 के तहत आशुतोष ब्रह्मचारी के खिलाफ प्रयागराज की विशेष पॉक्सो अदालत में वाद दायर किया है। उन्होंने कहा,''पॉक्सो अधिनियम की धारा 22 में यह प्रावधान है कि अगर कोई आपके खिलाफ फर्जी मुकदमा करता है तो आप भी उसके खिलाफ वाद दायर कर सकते हैं।''

शंकराचार्य ने खुद पर लगे यौन शोषण के आरोपों को बेबुनियाद बताते हुए कहा कि माघ मेले के दौरान वह सीसीटीवी कैमरा और मीडिया के कैमरे के सामने रहे। उन्होंने कहा कि इसके अलावा जिन लड़कों के यौन शोषण का आरोप लगाया गया है वे कभी उनके गुरुकुल में दाखिल तक नहीं हुए। अपने मठ में शीश महल और 'स्विमिंग पुल' होने के सवाल पर शंकराचार्य ने कहा, ''हमारा छोटा सा मठ है। उसमें 150 से 200 लोग कैसे रहते हैं। यह हम ही लोग जानते हैं। यहां कोई भी गुप्त स्थान, शीश महल अथवा स्विमिंग पुल नहीं है। जब हमारे गुरु जी यहां रहते थे तब उनको डॉक्टर ने व्यायाम करने के लिए कहा था, तब उनके लिए व्यवस्था बनाई गई थी और यह व्यवस्था अब बंद पड़ी हुई है।'' उन्होंने ने बुधवार को आरोप लगाया था कि उत्तर प्रदेश में अपराधियों का राज है, वे आरोप लगाते हैं और जांच को प्रभावित करते हैं। शंकराचार्य ने यहां संवाददाताओं से बातचीत में फोन पर एक व्हाट्सएप ग्रुप दिखाया और आरोप लगाया कि इसे उनके खिलाफ झूठा मुकदमा दर्ज कराने वाले आशुतोष पांडेय उर्फ आशुतोष ब्रह्मचारी नाम के एक व्यक्ति ने बनाया है और उस ग्रुप में उनके खिलाफ मामले से जुड़ी जानकारी साझा की जा रही है। उन्होंने यह भी दावा किया कि आशुतोष ब्रह्मचारी ने जिन दो नाबालिग लड़कों के यौन शोषण का आरोप लगाते हुए उन पर मुकदमा दर्ज कराया है वे लंबे समय से आशुतोष के पास ही रह रहे हैं। शंकराचार्य ने दावा किया कि दोनों लड़कों के चिकित्सा परीक्षण में उनके साथ कथित दुष्कर्म की पुष्टि हुई है। शंकराचार्य ने कहा,''अगर उन बच्चों के साथ कुछ भी गलत हुआ है, तो यह उनके साथ रहने वालों ने ही किया होगा। हमारा उनसे कोई संपर्क नहीं था। लेकिन अगर कोई कहानी बनाना चाहता है, तो वह कुछ भी बना सकता है।''

पुलिस ने जेएनयूएसयू की विरोध रैली को रोका, कई छात्र नेताओं को हिरासत में लिया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय छात्र संघ (जेएनयूएसयू) के कई सदस्यों को बृहस्पतिवार दोपहर शिक्षा मंत्रालय की ओर एक विरोध मार्च निकालने की कोशिश करने के बाद हिरासत में ले लिया गया। यह जानकारी सूत्रों दी। सूत्रों ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि जेएनयूएसयू अध्यक्ष अदिति मिश्रा, पूर्व जेएनयूएसयू अध्यक्ष नीतीश कुमार और कई अन्य प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया है।

हालांकि, दिल्ली पुलिस ने हिरासत को लेकर तत्काल कोई पुष्टि

नहीं की। प्रदर्शनकारी छात्र बृहस्पतिवार दोपहर को परिसर में स्थित साबरमती टी प्वाइंट पर एकत्रित हुए और तख्तियां एवं बैनर लेकर समूहों में आगे बढ़ने लगे, जब उन्होंने रैली को परिसर से बाहर ले जाने का प्रयास किया, तो विश्वविद्यालय के गेट पर तैनात सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें रोक दिया। आयोजकों ने कहा कि मार्च का उद्देश्य उच्च शिक्षा संस्थानों में कथित ''संस्थागत उपेक्षा'' को उजागर करना था। सोमवार को जेएनयूएसयू के विरोध प्रदर्शन के हिंसक होने के बाद जारी तनाव के मद्देनजर विश्वविद्यालय के अंदर और बाहर सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया गया है। इस विरोध प्रदर्शन के दौरान जेएनयूएसयू और एबीवीपी के बीच पथराव और हाथापाई की घटनाएं हुईं। दिल्ली पुलिस ने इस घटना के संबंध में जेएनयूएसयू के पदाधिकारियों के खिलाफ प्राथमिकी भी दर्ज की है।

जेएनयूएसयू विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के नियमों के कड़े अनुपालन की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहा है। उन्होंने इसके अलावा रोहित वेमुला अधिनियम बनाने, सार्वजनिक संस्थानों के लिए वित्त पोषण बढ़ाने और 16 फरवरी को एक पॉडकास्ट में कथित जाति टिप्पणी करने के कारण जेएनयू कुलपति के इस्तीफे की भी मांग की है।

जम्मू-कश्मीर को शीतकालीन खेलों के लिए 'नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' मिलेगा : मांडविया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुलमर्ग/भाषा। खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने बृहस्पतिवार को कहा कि शीतकालीन खेलों को बढ़ावा देने के लिए जम्मू-कश्मीर में एक 'नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' बनाया जाएगा और साथ ही घोषणा की कि 'खेलो इंडिया शीतकालीन खेलों' के भविष्य के चरणों को 15 दिन तक बढ़ाया जाएगा।

मांडविया ने इस साल के खेलो इंडिया शीतकालीन खेलों के दूसरे चरण के समापन समारोह पर यहां इस इलाके को मुख्य वैश्विक शीतकालीन खेल हब बनाने की सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। गुलमर्ग गोल्फ कोर्स में अपने भाषण के दौरान मांडविया ने कहा, ''कश्मीर की जमीं में बहुत संभावनाएं है। यहां एक 'नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' बनाया जाएगा। आने वाले समय में गुलमर्ग शीतकालीन खेलों का वैश्विक हब होगा। '' उन्होंने कहा, ''अब शीतकालीन खेल सिर्फ चार दिन तक सीमित नहीं रहेंगे। पर्यटन को जोड़कर हम 15 दिन लंबे शीतकालीन खेल आयोजित करेंगे जिसमें 'फिट इंडिया महोत्सव', सांस्कृतिक कार्यक्रम के अलावा कई स्पर्धाएं शामिल होंगी। मैं गुलमर्ग में 15 दिन के महोत्सव के लिए पूरी तरह तैयार हूं।'' मांडविया ने खेलो इंडिया शीतकालीन खेलों चैंपियनशिप का खिताब बरकरार रखने के लिए भारतीय सेना की टीम को बधाई दी जिसने 23 पदक जीते जिसमें नौ स्वर्ण, छह रजत और आठ कांस्य पदक शामिल हैं। उन्होंने विजेता के अलावा उप विजेता हिमाचल प्रदेश (तीन स्वर्ण, सात रजत और एक कांस्य पदक से 14 पदक) और तीसरे स्थान पर रही हरियाणा को भी ट्रॉफी प्रदान की।

कैग रिपोर्ट में पीएम आवास योजना की 'जियो-टैगिंग' में विसंगतियां उजागर : राजद विधायक

पटना/भाषा। बिहार विधानसभा में बृहस्पतिवार को पेश की गई नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की रिपोर्ट का उल्लेख करते हुए विपक्षी राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के विधायक कुमार सर्वजीत ने आरोप लगाया कि समस्तीपुर और दरभंगा जिलों में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत एक ही दिन में 'प्लिंथ' स्तर से लेकर छत की ढलाई तक का निर्माण दर्शाया गया है, जो व्यावहारिक रूप से संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि कैग रिपोर्ट में आवास निर्माण के विभिन्न चरणों की 'जियो-टैगिंग' में गंभीर विसंगतियां पाई गई हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, 'आवाससॉफ्ट' पोर्टल पर अपलोड की गई आवास निर्माण संबंधी तस्वीरों की लेखा-परीक्षा के दौरान नमूना जांच की गई। जांच में पाया गया कि 'पूर्ण आवासों' में से 10 मामलों में 'प्लिंथ' स्तर तक निर्माण दर्शाने वाली तस्वीरों के ठीक एक दिन बाद ही छत की ढलाई समेत पूर्ण निर्माण की तस्वीरें ली गईं और 'आवाससॉफ्ट' पर अपलोड कर दी गईं।

'एआई से नौकरियां जाने की आशंका निराधार, भारतीय आईटी कंपनियों के अवसर बढ़ेंगे'

मुंबई/भाषा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बृहस्पतिवार कृत्रिम मेधा (एआई) के कारण सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षेत्र में नौकरियां जाने की आशंका को निराधार बताते हुए कहा कि नई प्रौद्योगिकी से भारतीय कंपनियों के लिए अवसर बढ़ेंगे।

गोयल ने यहां 'ईवाई' की तरफ से आयोजित एक पुरस्कार समारोह में कहा कि एआई के रोजगार पर पड़ने वाले नकारात्मक असर को लेकर वह 'थोड़ा भी चिंतित नहीं' हैं। उन्होंने एआई पर हो रहे व्यापक वैश्विक निवेश की तुलना वर्ष 2000 के 'वाई2के' दौर से की, जब यह आशंका जताई जा रही थी कि सदी बदलने पर कंप्यूटर काम करना बंद कर देंगे। उन्होंने कहा, वाई2के के समय भी ऐसी

आशंकाएं थीं कि सबकुछ ठप हो जाएगा। लेकिन एक जनवरी, 2000 के बाद भारतीय आईटी उद्योग ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। मैं एआई को भी वैसा ही निर्णायक मोड़ मानता हूं। वाणिज्य मंत्री का यह बयान ऐसे समय आया है जब 315 अरब डॉलर के भारतीय आईटी उद्योग और उससे जुड़े करीब 60 लाख रोजगार पर एआई के संभावित असर को लेकर गहरी चिंता जताई जा रही है। गोयल ने एआई को बेहतर भविष्य के लिए एक 'शक्तिशाली क्रांति' बताते हुए कहा, ''जितना अधिक हम प्रौद्योगिकी से जुड़ेंगे, उतनी ही मानव कौशल और प्रतिभा की जरूरत बढ़ेगी। इससे नए अवसर भी पैदा होंगे।'' उन्होंने कहा कि एआई से अधिक मुनाफा, बेहतर कामकाज और निर्यात के नए अवसर खुलेंगे, जिनका लाभ देश के 23 लाख विज्ञान, इंजीनियरिंग, प्रौद्योगिकी और गणित (एसटीईएम) स्नातक उठा सकेंगे।

केंद्रीय मंत्री ने हाल के वर्षों में हुए मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) का जिक्र करते हुए कहा कि भारत ने वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में दो-तिहाई हिस्सेदारी रखने वाले 38 विकसित देशों के साथ व्यापार समझौते किए हैं।

तृणमूल ने मोदी के खुले पत्र का तीखी और व्यंग्यात्मक शैली में दिया जवाब

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के लोगों को लिखे गए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खुले पत्र के जवाब में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने बृहस्पतिवार को सधे हुए अंदाज में तीखी और व्यंग्यात्मक प्रतिक्रिया व्यक्त की। पार्टी ने सोशल मीडिया के जरिये उनके दावों और वादों का खंडन करके आगामी राज्यसभा विधानसभा चुनाव के मद्देनजर राजनीतिक माहौल को और गरमा दिया है। प्रतिक्रिया देने के तहत 'बंगाल की जनता के सम्मुख मेरी स्पष्ट स्वीकारोक्ति' शीर्षक से लिखे गए एक पत्र में तृणमूल ने उसी शैली और पृष्ठभूमि का प्रयोग किया जिसका इस्तेमाल प्रधानमंत्री द्वारा अपने पत्र में किया गया था। यहां तक कि मूल पत्र की तर्ज पर तृणमूल द्वारा लिखे गए पत्र में पृष्ठ के निचले भाग में मोदी की तस्वीर का भी इस्तेमाल किया गया और लिखा गया है, ''वह पत्र जो नरेन्द्र मोदी आपको कभी नहीं भेजेंगे।''

प्रधानमंत्री ने 23 फरवरी को बंगाल की जनता से भावनात्मक और सांस्कृतिक रूप से प्रासंगिक खुले पत्र के माध्यम से संपर्क साधा, जिसमें उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी के वर्तमान शासन में राज्य के विभिन्न वर्गों के नागरिकों को जिस पीड़ा और विश्वासघात का सामना करना पड़ रहा है उससे वह मर्माहत हैं। उन्होंने मतदाताओं से 'सेवा करने का अवसर' देने की अपील की।

राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग से पांच प्रतिशत महत्वपूर्ण मूल दस्तावेज गायब : उपमुख्यमंत्री सिन्हा

पटना/भाषा। बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने बृहस्पतिवार को विधानसभा को बताया कि राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के आधिकारिक अभिलेखों से कम से कम पांच प्रतिशत महत्वपूर्ण मूल दस्तावेज हटा दिए गए हैं, जिसके बाद अधिकारियों ने जांच शुरू कर दी है। सिन्हा ने यह भी कहा कि कुछ मामलों में भूखंडों के मूल मालिकों के नाम जानबूझकर बदले गए। उन्होंने कहा, यह गंभीर चिंता का विषय है। निहित स्वार्थ वाले व्यक्तियों द्वारा दुर्भावनापूर्ण उद्देश्य से इन दस्तावेजों को अभिलेखों से हटाया गया या चोरी किया गया है। उपलब्ध सूचनाओं से भूमि माफिया और अधिकारियों की संलिप्तता का संकेत मिलता है। कम से कम पांच प्रतिशत महत्वपूर्ण दस्तावेज अभिलेखों से गायब हैं।

राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग का प्रभार भी संभाल रहे उपमुख्यमंत्री ने कहा कि दोषियों, जिनमें सरकारी अधिकारी भी शामिल हैं, का पता लगाने के लिए विभाग ने अभियान शुरू किया है और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा, कुछ क्षेत्रों में निहित स्वार्थ वाले लोगों द्वारा जमीन के मूल मालिकों के नाम जानबूझकर बदल दिए गए। राज्य सरकार लापता दस्तावेजों को निश्चित रूप से बरामद करेगी और इसके लिए जिम्मेदार लोगों का पता लगाया जाएगा। प्रश्नकाल के दौरान जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के विधायक राहुल कुमार सिंह ने यह मुद्दा उठाते हुए आरोप लगाया कि उनके डुमरांव निर्वाचन क्षेत्र में कम से कम 60 प्रतिशत भूमि के मूल मालिकों के नाम वर्ष 1989 में विभागीय अधिकारियों द्वारा जानबूझकर बदल दिए गए थे। सिंह ने कहा, ऐसी जमीन के मूल मालिकों को दस्तावेजों में सुधार कराने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। यह कैसे हुआ? मामले की जांच होनी चाहिए और इसके लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। सत्ता पक्ष और विपक्ष के कई विधायकों ने भी सिंह के बयान का समर्थन करते हुए कहा कि उनके निर्वाचन क्षेत्रों में भी लोग इसी प्रकार की समस्या का सामना कर रहे हैं।

इस पर उपमुख्यमंत्री ने कहा, अधिकारियों को पहले ही निर्देश दिया जा चुका है कि सरकारी जमीन समेत किसी भी भूमि पर माफिया या फर्जी दस्तावेजों के आधार पर किसी व्यक्ति द्वारा अतिक्रमण नहीं होने दिया जाए। सिन्हा ने कहा कि विभाग राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के उन अधिकारियों की पहचान करेगा जो भूमि माफिया के साथ मिलीभगत में शामिल हैं।

सोशल मीडिया पर प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों को लेकर डाली जा रही है गलत जानकारी : पासवान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रसंस्कृत खाद्य उद्योग मंत्री चिराग पासवान ने बृहस्पतिवार को कहा कि सोशल मीडिया पर असर रखने वाले लोग 'गलत बात' फैला रहे हैं कि प्रसंस्कृत खाद्य नुकसानदायक हैं। उन्होंने सोशल मीडिया 'इन्फ्लूएंसर' द्वारा फैलाई जा रही इस तरह की गलत धारणा का मुकाबला करने के लिए सामूहिक प्रयासों की जरूरत बताई और साथ ही चेताया कि इससे क्षेत्र के विकास में बाधा आ सकती है।

राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी उद्यमिता एवं प्रबंधन संस्थान-कुंडली (निफ्टेम-के) द्वारा आयोजित तीन दिन के अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 'अनवेष-2026' के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए पासवान ने कहा कि यह सोच कि ''प्रसंस्कृत खाद्य का मतलब अच्छा नहीं है'' को ऑनलाइन पर सक्रियता से प्रसारित किया जा रहा है। उन्होंने कहा, ''हम न केवल अपने देश में, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी इस चुनौती का सामना कर रहे हैं।'' उन्होंने आगे कहा, ''इससे इस क्षेत्र पर असर पड़ रहा है और यह और बढ़ेगा। हमें इस बात का मुकाबला करने की ज़रूरत है।''

मंत्री ने कहा कि एकल परिवार और कामकाजी जोड़ों के बढ़ने के साथ तैयार और खाने को तैयार उत्पाद आधुनिक जीवनशैली का ज़रूरी हिस्सा बन गए हैं। उन्होंने कहा, ''पहले, हम घर पर चटनी और सॉस बनाते थे, लेकिन हमें ये चीजें तुरंत तैयार चाहिए। अगर कोई गलत कहानी बनाई जाती है, तो हम इस क्षेत्र के लिए वैसा विकास नहीं देख सकते जैसा हम सोचते हैं।'' पासवान ने कहा कि उनके मंत्रालय ने गुमराह करने वाले विज्ञापनों पर एक समिति बनाई है, जिसकी दूसरी बैठक में हाल ही में ऐसे संदेशों का मुकाबला करने के तरीकों पर चर्चा हुई। उन्होंने उद्योग जगत के अगुवा लोगों से इस मुद्दे की ज़िम्मेदारी लेने की अपील की, और सुझाव दिया कि अगर हर नेतृत्वकारी लोग 'एक-दो इन्फ्लूएंसर' को अपने साथ जोड़ लें, तो इस कहानी को बड़े पैमाने पर ठीक किया जा सकता है। उन्होंने कहा, ''अगर हम इस पर एक राष्ट्रीय अभियान शुरू करते हैं, तो हम इस चुनौती से निपट सकते हैं।''

व्यापार के बारे में, पासवान ने कहा कि भारत के 127 से ज़्यादा देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते हैं और उन्होंने इस चिंता को खारिज कर दिया कि चल रही बातचीत में रियायतें दी जा रही हैं, और कहा कि किसानों के हितों की रक्षा के साथ ''हमारी शर्तों पर'' समझौतों पर हस्ताक्षर किए जा रहे हैं। उन्होंने सभी अंशधारकों से कहा कि वे क्षेत्र के विकास की ज़िम्मेदारी सरकार पर छोड़ने के बजाय उसे आपस में बांट लें।

अभियान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

गुरुवार को कृष्णानगर जिला अदालत को बम की धमकी मिलने के बाद पुलिस अधिकारियों द्वारा परिसर में तलाशी अभियान चलाया गया।

कटक में स्कूल बस का चालक दो छात्राओं से बलात्कार के प्रयास के आरोप में गिरफ्तार

कटक (ओडिशा)/भाषा। कटक पुलिस ने एक निजी स्कूल की बस के चालक को दो छात्राओं से बलात्कार का प्रयास करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

पुलिस के अनुसार, चालक को छावनी थानाक्षेत्र में एक निजी स्कूल के विद्यार्थियों को लाने-ले जाने के लिए नियुक्त किया गया था और उसने कथित तौर पर मंगलवार को बस के अंदर दो छात्राओं से बलात्कार करने का प्रयास किया।

डिजिटल मंचों को ऑनलाइन सामग्री और बच्चों की सुरक्षा की जिम्मेदारी लेनी चाहिए : वैष्णव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बृहस्पतिवार को इस बात पर जोर दिया कि डिजिटल मंचों को अपनी सामग्री की जिम्मेदारी लेनी चाहिए और कंटेंट निर्माताओं व समाचार संगठनों के साथ उचित राजस्व बंटवारे को सुनिश्चित करना चाहिए। उन्होंने साथ ही चेतावनी भी दी कि अगर कंटेंट निर्माताओं को उचित लाभ नहीं दिया जाता तो नवाचार प्रभावित होगा।

वैष्णव ने यहां 'डिजिटल न्यूज पब्लिशर्स एसोसिएशन' (डीएनपीए) के सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि कृत्रिम मेधा (एआई) से निर्मित सामग्री के उपयोग को विनियमित करने की आवश्यकता पर भी बल दिया और कहा कि ऐसी सामग्री का निर्माण उस व्यक्ति की सहमति के बिना नहीं किया जाना चाहिए जिसका

चेहरा, आवाज या व्यक्तित्व इस्तेमाल किया जा रहा है। उन्होंने कहा, मंचों को अपनी सामग्री की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा, सभी नागरिकों की ऑनलाइन सुरक्षा मंचों की जिम्मेदारी है। केंद्रीय मंत्री ने बौद्धिक संपदा का सम्मान करने व उचित मुआवजा पाने पर जोर दिया और कहा कि विज्ञान, प्रौद्योगिकी, कला एवं साहित्य के क्षेत्र में समाज की प्रगति इसी पर निर्भर करती है। उन्होंने कहा कि डिजिटल मंचों को न केवल समाचार संगठनों के साथ बल्कि दूरदराज के क्षेत्रों में स्वतंत्र रचनाकारों, प्रभावशाली व्यक्तियों, प्रोफेसरों और शोधकर्ताओं के साथ भी उचित राजस्व साझाकरण सुनिश्चित करना चाहिए।

सुविचार

वक्त के साथ कदर,दर्द के साथ सफर और मौत के साथ कब्र अपने आप मिल जाती हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

स्वस्थ संवाद से खोलें सही रास्ते

लखनऊ के एक बड़े कारोबारी मानवेंद्र प्रताप सिंह की हत्या कर शव को ड्रम में डाले जाने की घटना ने रिश्तों में घटती संवेदना को उजागर किया है। इस मामले में कारोबारी के 21 वर्षीय बेटे अक्षत प्रताप पर आरोप लगा है, जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। मानवेंद्र और उनके बेटे के बीच पढ़ाई को लेकर विवाद बताया जा रहा है। पिता चाहते थे कि बेटा नीट पास कर डॉक्टर बने। इस सिलसिले में अक्षत ने नीट की कोचिंग की, लेकिन दो बार परीक्षा देने के बाद भी कामयाबी नहीं मिली। अक्षत ने लखनऊ के एक मशहूर स्कूल से पढ़ाई की थी। किसने सोचा होगा कि एक दिन पिता-पुत्र का रिश्ता यह मोड़ ले लेगा? जीवन में पढ़ाई, पेशा और पैसा जरूरी हैं, लेकिन इनका इतना ज्यादा महिमामंडन भी नहीं करना चाहिए कि लोग इन्हें ही सबकुछ समझने लगें। साथ ही, पढ़ाई में मन को शांत रखने, क्रोध को नियंत्रित करने के तौर-तरीके सिखाने की जरूरत है। पिछले कुछ वर्षों में ऐसे कई मामले सामने आए, जब किशोरों और युवाओं ने बहुत गंभीर अपराधों को अंजाम दिया। याद करें, श्रद्धा वाल्कर हत्याकांड में आरोपी ने किस तरह शव के टुकड़े कर उन्हें जंगल में फेंका था! अक्षत पर भी अपने पिता के शव के टुकड़े कर उन्हें प्लास्टिक बैग में पैक करने और कुछ हिस्सों को नीले ड्रम में डालने का आरोप है। सोशल मीडिया पर काफी तादाद में ऐसी सामग्री मौजूद है, जिसे पढ़ने-सुनने के बाद कई युवाओं का झुकाव अपराध की ओर हो सकता है। वे उन्हें ऐसा कृत्य करने के लिए तौर-तरीके सिखा रही हैं।

आज कई घरों में बच्चों की पढ़ाई को लेकर झगड़े हो रहे हैं। वहां माता-पिता का सपना होता है कि उनके बच्चे डॉक्टर, इंजीनियर बनें या सरकारी नौकरी करें। चूंकि उन्होंने अपने ज़माने में ये ही विकल्प सुने थे, इसलिए बच्चों को डॉक्टर, इंजीनियर या सरकारी कर्मचारी बनाना चाहते हैं। कई मामलों में माता-पिता या घर के किसी सदस्य का 'सपना' बड़ी भूमिका निभाता है। वे अपने जीवन में कुछ बनना चाहते थे, लेकिन किसी कारणवश नहीं बन पाए। अब चाहते हैं कि उनके बच्चे वह सपना पूरा करें। वे उन पर दबाव डालते हैं। जब बच्चे ऐसा नहीं कर पाते तो घर में कलह का वातावरण बनता है और रिश्ते बिगड़ते हैं। लोगों की शक्ति और सामर्थ्य में भिन्नता होती है। इसे समझना चाहिए। अगर कोई व्यक्ति डॉक्टर, इंजीनियर या सरकारी कर्मचारी नहीं बना तो इसका यह मतलब नहीं कि वह कुछ नहीं कर सकता है। वह किसी और क्षेत्र में बहुत अच्छा प्रदर्शन कर सकता है। इस संबंध में परिवार में खुलकर बात होनी चाहिए। एआई के कारण रोजगार के क्षेत्र में बड़े बदलाव होंगे। आगामी एक दशक में कुछ ऐसे नाम उभरकर सामने आएंगे, जिनके बारे में लोगों ने कम ही सुना होगा। भविष्य में रोजगार के लिए किस क्षेत्र को चुनें? इस पर घर में झगड़ा करने के बजाय विशेषज्ञों से मार्गदर्शन लेना बेहतर और सुरक्षित होता है। अगर मानवेंद्र अपने बेटे को किसी विशेषज्ञ के पास लेकर जाते, उससे मार्गदर्शन लेते तो पिता-पुत्र के रिश्ते नहीं बिगड़ते। स्वस्थ संवाद से ही सही रास्ते खुलते हैं। जब परिवार में तालमेल बिगड़ जाता है तो उसके नतीजे तकलीफदेह निकलते हैं। राजस्थान के एक मशहूर डॉक्टर के परिवार में ऐसी ही समस्या थी। वे स्वयं बहुत मेहनत कर डॉक्टर बने थे। बड़ी मुश्किलों का सामना कर अपना अस्पताल बनाया था। उनकी इच्छा थी कि दोनों बेटे डॉक्टर बनें। वहीं, बेटे तकनीकी क्षेत्र में जाना चाहते थे। इससे घर का माहौल खराब हो रहा था। एक दिन डॉक्टर ने किसी विशेषज्ञ से संपर्क किया, जिनकी सलाह के बाद उन्होंने बेटों को भविष्य में अस्पताल से जुड़े तकनीकी मामलों की जिम्मेदारी सौंपने का फैसला किया। इससे घर का माहौल ठीक हो गया और पिता-पुत्रों के रिश्ते फिर से मधुर हो गए।

ट्वीटर टॉक

माँ भारती की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व अर्पित करने वाले महान स्वतंत्रता सेनानी विनायक दामोदर सावरकर जी की पुण्यतिथि पर विनम्र श्रद्धांजलि। उनका साहस, त्याग और राष्ट्रभक्ति सदैव हमें देशसेवा के पथ पर प्रेरित करते रहेंगे।

-वसुंधरा राजे

आज बीकानेर में महान स्वतंत्रता सेनानी श्री स्वातंत्र्यवीर विनायक दामोदर सावरकर जी की पुण्यतिथि पर उनकी प्रतिमा का अनावरण कर उपस्थित गणमान्यजनों को संबोधित कर राष्ट्र निर्माण में सामूहिक सहभागिता का आह्वान किया।

-अर्जुनराम मेघवाल

प्रदेश की सरकार हनुमानगढ़ सहित राज्य के सभी पर्यटन संभावनाओं वाले क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं के विकास, ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण तथा पर्यटन अवसंरचना के सुदृढ़ीकरण के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

-दिया कुमारी

प्रेरक प्रसंग

गुरुकृपा से तानसेन

एक बार वृन्दावन के महान संगीतकार संन्यासी स्वामी हरिदास जी अपनी शिष्य-मंडली के साथ ग्वालियर के बेहट गांव के इमली के बाग़ में होकर गुज़र रहे थे। उसी समय बालक 'तन्ना' ने एक पेड़ की आड़ में छिपकर शेर जैसी दहाड़ लगाई। डर के मारे सब लोगों के दम फूल गए। स्वामी जी को उस स्थान पर शेर के रहने का विश्वास नहीं हुआ और उन्होंने तुरंत खोज की। उन्होंने बालक को दहाड़ते हुए पाया। बालक के इस क़ौतुक पर स्वामी जी बहुत प्रसन्न हुए। उन्होंने जब अन्य पशु-पक्षियों की आवाज़ें भी बालक से सुनीं, तो वे मुग्ध हो गए और उसके पिताजी से बालक को संगीत-शिक्षा देने के लिए मांगकर अपने साथ वृन्दावन ले आए। गुरु की कृपा से दस वर्षों की अवधि में ही बालक तन्ना एक धुरंधर गायक बन गया और यहीं से उसका नाम 'तन्ना' की बजाय 'तानसेन' पड़ गया।

सामयिक

शिक्षा को हिंसक नहीं, संवेदनशील बनाना होगा

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

देश में इन दिनों बोर्ड परीक्षाएं चल रही हैं और सामान्य परीक्षाएं भी शुरू होने वाली हैं। हर साल की तरह इस बार भी परीक्षा का मौसम केवल प्रश्नपत्रों और परिणामों का नहीं, बल्कि मानसिक दबाव, चिंता और असुरक्षा का मौसम बनता जा रहा है। छात्रों के चेहरों पर भविष्य की चिंता साफ पढ़ी जा सकती है। यह चिंता केवल अच्छे अंक लाने की नहीं, बल्कि अपेक्षाओं के बोझ को ढोने की है। दुर्भाग्य यह है कि यह दबाव कई बार इतना असहनीय हो जाता है कि वह आत्मघाती या हिंसक रूप ले लेता है। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़े एक भयावह सच उजागर करते हैं। वर्ष 2013 से 2023 के बीच छात्रों की आत्महत्या की दर में लगभग 65 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। यह केवल आंकड़ा नहीं, बल्कि हजारों परिवारों के टूटने की कहानी है। इन आत्महत्याओं के पीछे पढ़ाई का दबाव, पारिवारिक अपेक्षाएं, सामाजिक तुलना और आर्थिक तनाव प्रमुख कारण बताए जाते हैं। लेकिन हाल में लखनऊ में जो घटना सामने आई, उसने इस संकट को एक और खतरनाक दिशा में मोड़ दिया है।

लखनऊ की घटना केवल परीक्षा दबाव की कहानी नहीं है, बल्कि परिवारों में बढ़ती संवेदनहीनता, संवादहीनता और मानसिक स्वास्थ्य की उपेक्षा का दर्पण है। पुलिस जांच के अनुसार एक पैथोलॉजी लैब संचालक पिता अपने बेटे को डॉक्टर बनाना चाहते थे और उस पर नीट जैसी परीक्षा पास करने का लगातार दबाव बना रहे थे। घटना वाले दिन भी दोनों के बीच बहस हुई और 21 वर्षीय युवक ने पिता की गोली मारकर हत्या कर दी। इसके बाद उसने अपराध छिपाने के लिए शव के टुकड़े किए, कुछ बाहर फेंके, कुछ घर में छिपाए, छोटी बहन को धमकाया और पुलिस को गुमराह करने के लिए पहले लापता होने और फिर आत्महत्या की कहानी गढ़ी। यह सब बताता है कि यह क्षणिक आवेश नहीं था, बल्कि भीतर लंबे समय से पल रही कुंठा, आक्रोश और मानसिक विघटन का परिणाम था। प्रश्न यह है कि एक बेटे के भीतर इतनी नफरत कैसे पनप सकती है? क्या कुछ बनने' का दबाव इतना भारी हो सकता है कि वह रिश्तों को भी तार-तार कर दे? हर माता-पिता चाहते हैं कि उनकी संतान सफल हो, प्रतिष्ठित करियर बनाए, समाज में सम्मान पाए। लेकिन जब यह चाहत संवाद और सहयोग की जगह नियंत्रण और दबाव का रूप ले लेती है, तब वह प्रेरणा नहीं, मानसिक उत्पीड़न बन जाती है। जब शिक्षा जीवन-निर्माण का माध्यम न होकर, विनाश का कारण बन जाती है।

भारत में नीट और जी जैसी प्रतियोगी परीक्षाएं लाखों युवाओं के लिए उम्मीद का प्रतीक हैं। नीट में पिछले वर्ष 23 लाख से अधिक छात्रों ने पंजीकरण कराया, जबकि ज्वाइंट एन्टरेंस एक्जामिनेशन (जेईई) के एक सत्र में 13 लाख से अधिक विद्यार्थियों ने आवेदन किया। इन लाखों विद्यार्थियों में से केवल कुछ हजार ही शीर्ष संस्थानों तक पहुंच पाते हैं। शेष विद्यार्थियों के हिस्से अक्सर निराशा, आत्मग्लानि और सामाजिक तुलना का दंश आता है। जब सफलता का पैमाना केवल रैंक और अंक बन जाए, तो असफलता जीवन का अंत प्रतीत होने लगती है। कोटा जैसे कोचिंग केंद्रों में हर वर्ष आत्महत्या की खबरें सामने आती हैं। कोटा देश की कोचिंग राजधानी कही जाती है, जहां हजारों छात्र सपने लेकर पहुंचते हैं। लेकिन उन्हीं सपनों का बोझ कई बार उनके जीवन से भारी पड़ जाता है। यह केवल व्यक्तिगत कमजोरी का मामला नहीं है, बल्कि एक ऐसी शिक्षा प्रणाली का परिणाम है जिसमें प्रतियोगिता सहयोग से अधिक महत्त्वपूर्ण हो गई है।

लखनऊ की घटना में एक और तथ्य उल्लेखनीय है-आरोपी छात्र की मां का निधन हो चुका था। घर में चाचा-चाची मौजूद थे, लेकिन क्या उस युवक की मनःस्थिति को समझने का प्रयास किया गया? क्या उसके भीतर के तनाव, अकेलेपन और भय को किसी ने सुना? यदि परिवार में नियमित संवाद होता, यदि मानसिक स्वास्थ्य को उतनी ही गंभीरता से लिया जाता जितनी अंकों को, तो शायद यह भयावह वारदात टाली जा सकती थी। आज समस्या केवल आत्महत्या तक सीमित नहीं है। बच्चे हिंसक भी हो रहे हैं। यह हिंसा बाहरी नहीं, भीतर से उपज रही है-कुंठा, अपमानबोध, तुलना और असफलता के भय से। जब बच्चे को यह महसूस होने लगे कि वह केवल एक 'प्रोजेक्ट' है, एक 'इन्वेस्टमेंट' है, जिसे किसी निश्चित पेशे में ढालना है, तब उसकी स्वतंत्र पहचान कुचल जाती है। वह या तो भीतर ही भीतर टूट जाता है या विस्फोट कर देता है।

शिक्षा का उद्देश्य जीवनदायिनी होना चाहिए-विवेक, संवेदना और आत्मविश्वास का विकास करना चाहिए। लेकिन जब शिक्षा केवल प्रतिस्पर्धा और रैंकिंग का माध्यम बन जाए, तो वह तनाव और हिंसा को जन्म देती है। हमें यह स्वीकार करना होगा कि हर बच्चा डॉक्टर या इंजीनियर नहीं बन सकता, और न ही बनना चाहिए। विविध प्रतिभाओं को सम्मान देने वाली सामाजिक मानसिकता विकसित किए बिना यह संकट कम नहीं होगा। इस संदर्भ में तीन स्तरों पर गंभीर चिंतन की आवश्यकता है। पहला, परिवार। माता-पिता को यह समझना होगा कि अपेक्षा और दबाव में अंतर है। अपेक्षा प्रेरणा देती है, दबाव भय पैदा करता है। बच्चों के साथ खुला संवाद, उनकी रुचियों को समझना, असफलता को स्वीकार्य बनाना और मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान देना अत्यंत आवश्यक है। तुम्हें डॉक्टर बनना ही है' की जगह तुम जो बनना चाहो, हम साथ हैं' जैसी सोच विकसित करनी होगी। दूसरा, शिक्षा संस्थान। स्कूल और कोचिंग संस्थानों को केवल परिणाम देने वाली मशीन नहीं, बल्कि संवेदनशील संस्थान बनना होगा। नियमित काउंसलिंग, तनाव प्रबंधन कार्यशालाएं और परीक्षा को जीवन-मरण का प्रश्न न बनाने की संस्कृति विकसित करनी होगी। शिक्षकों को भी विद्यार्थियों की मानसिक दशा पहचानने का प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। तीसरा, सरकार और समाज। मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ और कलंकमुक्त बनाना होगा। परीक्षा प्रणाली में सुधार, वैकल्पिक करियर मार्गों को बढ़ावा, और कौशल आधारित शिक्षा पर जोर देना समय की मांग है। मीडिया को भी सनसनी की बजाय संवेदनशील रिपोर्टिंग करनी चाहिए।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हम इन घटनाओं को सामान्य न मानें। हर आत्महत्या और हर हिंसक घटना हमारे सामाजिक ताने-बाने में दरार का संकेत है। यदि हम इसे केवल व्यक्तिगत मामला' कहकर टाल देंगे, तो आने वाले समय में ऐसी घटनाएं और बढ़ेंगी। लखनऊ की घटना हमें झकझोरती है। यह बताती है कि शिक्षा का दबाव, पारिवारिक संवादहीनता और मानसिक स्वास्थ्य की उपेक्षा मिलकर कितनी भयावह परिणति ला सकती है। अब समय है कि हम सामूहिक आत्ममंथन करें। शिक्षा को जीवन का उत्सव बनाएं, न कि भय का कारण। बच्चों को लक्ष्य दें, लेकिन उनके पंख न काटें। सपने दिखाएं, पर उन्हें सांस लेने की जगह भी दें। जब तक हम सफलता की परिभाषा को व्यापक नहीं करेंगे और बच्चों को अंक से अधिक मनुष्य मानना नहीं सीखेंगे, तब तक यह संकट बना रहेगा। परीक्षा का मौसम हर साल आएगा, लेकिन यदि हम संवेदनशील समाज बन सके, तो शायद अगली पीढ़ी के लिए यह मौसम भय का नहीं, आत्मविश्वास का प्रतीक बन सकेगा।

नजरिया

संस्कृति का विराट उत्सव है ताज महोत्सव

योगेश कुमार गोयल

मोबाइल : 9416740584.

महोत्सव में आयोजित होने वाले कवि सम्मेलन, मुशायरे और गजल संध्याएं साहित्यिक रसिकों के लिए एक ऐसा आकर्षण केंद्र होती हैं, जहां शब्दों की सरगम और भावों की सूक्ष्म अभिव्यक्ति दर्शकों को हमारी महान साहित्यिक विरासत से जोड़ती है। चित्रकला, फोटोग्राफी और नृत्य प्रतियोगिताएं आयोजित कर यह महोत्सव न केवल स्थापित दिग्गजों को मंच देता है बल्कि नवोदित प्रतिभाओं के सपनों को भी नई उड़ान देता है।

यमुना के पावन तट पर स्थित धवल संगमरमर की वह अलौकिक कृति, जिसे दुनिया ताजमहल के नाम से जानती है, केवल ईंट-पत्थरों और नक्काशी का मेल नहीं है बल्कि भारतीय संवेदनाओं, स्थापत्य-कौशल और सौंदर्य-चेतना का एक शाश्वत महाकाव्य है। जब इस विश्वप्रसिद्ध स्मारक की शीतल और भव्य छाया में रंगों की चटक आभा, रागों की मधुर लहरियां और रसों की सजीव अनुभूति एक साथ साकार होती है, तब वह दृश्य ताज महोत्सव' के रूप में भारतीय संस्कृति का एक अनुपम और दैदीप्यमान उत्सव बन जाता है। उत्तर प्रदेश के ऐतिहासिक नगर आगरा में 18 से 27 फरवरी तक आयोजित हो रहा यह दस दिवसीय सांस्कृतिक पर्व केवल एक साधारण मेले का विस्तार नहीं है बल्कि यह भारत की बहुरंगी परंपराओं, लोक-स्मृतियों, लुप्तप्राय शिल्प-कौशल और उस विराट पाक-वैभव का उत्सव है, जहां राष्ट्र की विविध आत्माएं एक ही वैश्विक मंच पर एक साथ स्पंदित होती हैं। इस वर्ष अपने 34वें गौरवशाली संस्करण में प्रवेश कर रहे इस महोत्सव की थीम 'वंदे मातरम : परंपरा एवं राष्ट्र गौरव' हमारी सांस्कृतिक अस्मिता और राष्ट्रीय चेतना का एक सशक्त उद्घोष है, जो आगंतुकों के भीतर स्वदेश प्रेम और अपनी जड़ों के प्रति सम्मान की भावना को प्रगाढ़ करता है।

सन 1992 के वसंत में जब इस महोत्सव का बीजारोपण हुआ था, तब शायद ही किसी ने कल्पना की होगी कि यह आयोजन आने वाले समय में भारत के सबसे प्रतिष्ठित और प्रतीक्षित सांस्कृतिक आयोजनों में शुमार हो जाएगा। इसका मूल दर्शन भारतीय हस्तशिल्प, लुप्त होती लोक कलाओं और सदियों पुराने पारंपरिक कौशलों को एक ऐसा मंच प्रदान करना रहा है, जहां वे अपनी आधुनिक प्रासंगिकता सिद्ध कर सकें। ताजमहल की जादुई पृष्ठभूमि में सजे सैंकड़ों स्टॉल, चटख और पारंपरिक परिधानों में सुसज्जित लोक कलाकार, शास्त्रीय संगीत की गंभीर तान और लोकनृत्यों की लयात्मक थिरकन मिलकर एक ऐसा जादुई वातावरण रचते हैं, मानो पूरा लघु भारत एक ही परिसर में सिमट आया हो। ताज महोत्सव की सबसे बड़ी पूंजी इसकी वह विविधता ही है, जो उत्तर के हिमालयी अंचल से लेकर दक्षिण के कन्याकुमारी तक और सुदूर पूर्वोत्तर की पहाड़ियों से लेकर पश्चिम के रेगिस्तानों तक की कला को एक सूत्र में पिरोती है। यहां कश्मीर की पश्मीना शॉल की मखमली कोमलता और वाराणसी की रेशमी साड़ियों की राजसी चमक एक साथ देखी जा सकती है। लखनऊ की बारीक चिकनकारी की नजाकत हो या सहारनपुर की लकड़ी पर की गई सूक्ष्म नक्काशी, मुरादाबाद के पीतल शिल्प की सुनहरी दमक हो या खुर्जा की सिरेमिक कला की चटक रंगीन छटा, ये सभी तत्व मिलकर भारत की हस्तकला परंपरा का एक ऐसा जीवंत संग्रहालय रच देते हैं, जिसे देख दुनिया दांतों तले उंगली दबा लेती है। भदोही के हस्तनिर्मित कालीनों की जटिल बुनावट, दक्षिण भारत की पाषाण और काष्ठ मूर्तियां, पूर्वोत्तर के बांस-बेंत की कलाकृतियां और गुजरात के पटोला व बांधनी कार्य की विविधता दर्शकों को एक अनूठी सांस्कृतिक यात्रा पर ले जाती है।

यह महोत्सव केवल वस्तुओं के क्रय-विक्रय का बाजार नहीं है, बल्कि आत्मनिर्भर भारत' की धड़कन और स्थानीय प्रतिभा के स्वाभिमान का एक जीवंत दस्तावेज है। इस वर्ष सरकार की वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट' पहल के अंतर्गत प्रदेश के 50 जनपदों की विशिष्ट पहचान को जिस प्रकार एक ही मंच पर प्रतिष्ठित किया गया है, वह अद्भुत है। लगभग 500 सुसज्जित स्टॉल भारतीय उद्यमिता की उस रचनात्मक ऊर्जा का परिचय दे रहे हैं, जो परंपरा और आधुनिकता के सूक्ष्म समन्वय से नए भारत के भविष्य का निर्माण कर रही है। यहां प्रदर्शित खादी की सादगी, जूट की पर्यावरण-मित्र आत्मा और हथकरघा की सूक्ष्म बुनावट केवल व्यापारिक उत्पाद नहीं बल्कि स्वदेशी स्वाभिमान, सतत विकास और सांस्कृतिक निरंतरता के उन सशक्त प्रतीकों के रूप में उभरते हैं, जो वैश्विक बाजार में भारत की श्रेष्ठता सिद्ध करते हैं।

कला और शिल्प के इस महाकुंभ में संगीत और नृत्य की धाराएं आत्मा के स्पंदन की भांति प्रवाहित होती हैं। ताजमहल की मुगलई वास्तुकला की छाया में गूंजते शास्त्रीय, अर्ध-शास्त्रीय और लोक राग एक ऐसे सांगीतिक वातावरण का सृजन करते हैं, जो श्रोताओं को अलौकिक आनंद की अनुभूति कराता है। ब्रज के उल्लासपूर्ण लोकनृत्य, जिनमें होली की मस्ती और राधा-कृष्ण के प्रेम की महक होती है, कथक की भावप्रवण मुद्राएं, जिनमें इतिहास बोलता है और सूफी गायकी की वह रूहानी लहरियां, जो सीधे खुदा से संवाद करती प्रतीत होती हैं, दर्शकों को एक आध्यात्मिक ऊंचाई प्रदान करती हैं। इस वर्ष के विशाल डिजिटल मुक्ताकाशीय मंच पर आधुनिकता का भी समावेश है, जहां नीरज श्रीधर की ऊर्जस्वित बॉलीवुड नाइट्स, कृष्णा-अभिषेक की हास्य-विनोद से भरपूर प्रस्तुतियां और सचिन-जिगर की सुरीली धुनों वाली समापन संध्या युवा ऊर्जा को एक नई चमक प्रदान करेगी। इसके साथ ही 'इंडियन ओशन' जैसे बैंड की फ्यूजन संगीत, अली ब्रदर्स की शुद्ध सूफियाना सुर-लहरियां और माधवाज बैंड की भक्तिमय संध्या इस महोत्सव को संगीत-प्रेमियों के लिए एक कभी न भूलने वाला अनुभव बना देने वाली हैं।

भारतीय उत्सव की आत्मा उसके स्वाद में बसती है और ताज महोत्सव इस मामले में किसी स्वर्ग से कम नहीं है। यहां देशभर के उन पारंपरिक व्यंजनों का संसार सजता है, जो जीभ के स्वाद के साथ-साथ हमारी भौगोलिक और सांस्कृतिक विविधता का भी परिचय देते हैं। उत्तर प्रदेश के चटपटे आंचलिक व्यंजनों से लेकर दक्षिण भारत के कुरकुरे डोसे, राजस्थानी दाल-बाटी-चूरमा की सोंधी खुशबू, पंजाब की मलाईदार लस्सी, बंगाल की रसभरी मिठाइयां और कश्मीर के शाही वाजवान तक, हर स्वाद अपनी विशिष्ट पहचान के साथ यहां उपस्थित होता है। यह भोजन केवल पेट भरने का साधन नहीं बल्कि भारत की उस सांस्कृतिक समृद्धि का सजीव प्रमाण है, जो सदियों के मेलजोल से विकसित हुई है। इसके साथ ही, यह आयोजन स्थानीय अर्थव्यवस्था के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। आगरा के होटल, रेस्तरां, परिवहन सेवाएं, हस्तशिल्प बाजार और टूर गाइडों के चेहरों पर इस दौरान जो रौनक दिखाई देती है, वह पर्यटन उद्योग की गतिशीलता का प्रतीक है। हजारों की संख्या में आने वाले विदेशी पर्यटक जब भारतीय परिधानों को पहनकर, यहां की हस्तशिल्प और पारंपरिक कलाओं के बीच समय बिताते हैं तो वे अपने साथ भारत की एक सुखद और गौरवशाली छवि लेकर स्वदेश लौटते हैं।

आगरा स्वयं भी अपने आप में इतिहास और स्थापत्य का एक अनूठा संगम है। महाभारत काल में अग्रवन' के रूप में वर्णित यह नगर, जिसे कभी सिकंदर लोदी ने बसाया और बाद में मुगल सम्राटों अकबर, जहांगीर तथा शाहजहां ने अपनी राजधानी बनाकर विश्वपटल पर चमक दी, आज भी अपनी ऐतिहासिकता को संजोए हुए है। इसी गौरवशाली अतीत की पृष्ठभूमि के कारण ताज महोत्सव का महत्व और भी गहन हो जाता है। प्रेम, कला और इतिहास के इस त्रिवेणी संगम में जब आधुनिक मंच-सज्जा, डिजिटल तकनीक और लेजर शो का समावेश होता है, तब परंपरा और आधुनिकता का वह अद्भुत सामंजस्य दृष्टिगोचर होता है, जिसे दुनिया आज का भारत कहती है। महोत्सव में आयोजित होने वाले कवि सम्मेलन, मुशायरे और गजल संध्याएं साहित्यिक रसिकों के लिए एक ऐसा आकर्षण केंद्र होती हैं, जहां शब्दों की सरगम और भावों की सूक्ष्म अभिव्यक्ति दर्शकों को हमारी महान साहित्यिक विरासत से जोड़ती है। चित्रकला, फोटोग्राफी और नृत्य प्रतियोगिताएं आयोजित कर यह महोत्सव न केवल स्थापित दिग्गजों को मंच देता है बल्कि नवोदित प्रतिभाओं के सपनों को भी नई उड़ान देता है।

ताज महोत्सव की सबसे बड़ी और ऐतिहासिक उपलब्धि यह है कि यह अमूर्त भारतीयता की भावना को एक मूर्त उत्सव में रूपांतरित कर देता है। यहां रखा हस्तशिल्प का हर एक नमूना अपनी मिट्टी की कहानी कहता है, कलाकारों की हर प्रस्तुति एक प्राचीन धरोहर को पुनर्जीवित करती है और हर व्यंजन एक क्षेत्रीय पहचान को सहेजता है। यह आयोजन इस महान सत्य का जयघोष है कि भारत केवल विविधताओं का देश नहीं है बल्कि उन तमाम भिन्नताओं को एक ही सूत्र में पिरोने की एक अद्भुत और अदम्य क्षमता रखने वाला राष्ट्र है। जब ताजमहल की श्वेत आभा सूर्यास्त की सुनहरी किरणों में घुलती है और पृष्ठभूमि में किसी शास्त्रीय राग की अंतिम तान गूंजती है, तब ताज महोत्सव केवल एक दस दिवसीय कार्यक्रम मात्र नहीं रह जाता बल्कि भारतीय संस्कृति का एक ऐसा जीवंत और प्राणवान उत्सव बन जाता है, जहां इतिहास वर्तमान से संवाद करता है और परंपराएं आधुनिकता का हाथ थामकर भविष्य की सुनहरी राह पर चल पड़ती हैं। ताज महोत्सव वास्तव में भारत की उस चिरंतन आत्मा का उत्सव है, जिसकी गूंज सात समंदर पार तक हमारी विरासत की गौरवगाथा सुनाती रहती है और हर वर्ष हमें अपनी भव्यता पर गर्व करने का एक नया कारण दे जाती है।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

होली

पटना के पटना विमेंस कॉलेज में स्टूडेंट्स एक-दूसरे को गुलाल लगाकर होली मनाते हुए।

सैमसंग के सस्ते स्मार्टफोन भी होंगे एआई से लैस, एस26 मॉडल पेश

सैन फ्रांसिस्को/भाषा। दिग्गज उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी सैमसंग ने कहा है कि वह कृत्रिम मेधा (एआई) प्रौद्योगिकी को अब अपने सस्ते स्मार्टफोन में मुहैया कराने जा रही है, ताकि आम उपभोक्ताओं को भी एआई सुविधाओं के लाभ मिल सकें।

कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी ने तीसरी पीढ़ी की गैलेक्सी एआई सीरीज़ का प्रीमियम स्मार्टफोन 'एस26' पेश करने के मौके पर बुधवार को यह जानकारी दी।

सैमसंग इंडिया के एमएक्स बिजनेस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजू पुल्लन ने कहा कि कंपनी एआई फीचर को अब अपने सबसे सस्ते मॉडल तक ले जा रही है।

कंपनी ने हाल ही में 15,000 रुपए की शुरुआती कीमत में गैलेक्सी ए07 5जी मॉडल बाजार में उतारा है, जिसमें एआई से जुड़े फीचर दिए गए हैं।

पुल्लन ने पीटीआई-भाषा के साथ बातचीत में कहा, हम अब एआई फीचर को शुरुआती स्तर के मॉडल तक लेकर आ रहे हैं और इसी तरह हम पूरे स्मार्टफोन बाजार का विस्तार करेंगे।

किफायती फोन में एआई फीचर देने से कंपनी के मुनाफे और लागत पर पड़ने वाले असर के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि कंपनी का मुख्य ध्यान उपभोक्ताओं को अधिक मूल्य देने पर है। इसके लिए सैमसंग विभिन्न प्रौद्योगिकी मंचों एवं साझेदार कंपनियों के साथ काम कर रही है। उन्होंने कहा, सैमसंग कई मंचों के साथ साझेदारी करती है और उनसे बेहतरीन प्रौद्योगिकी हासिल करती है, ताकि हम शुरुआती स्तर वाले फोन सहित सभी मॉडल में ग्राहकों को बेहतर अनुभव दे सकें।

एआई फीचर से फोन रोजमर्रा के काम आसान कर सकता है जैसे बेहतर फोटो एडिटिंग, कॉल और मैसेज का स्मार्ट सारांश, भाषा अनुवाद, वॉयस कमांड से काम और बैटरी प्रबंधन। अब ये सुविधाएं सिर्फ महंगे फोन तक सीमित नहीं रहेंगी।

नैनीताल से उर्वशी रौतेला का खास जुड़ाव

मुंबई/एजेन्सी

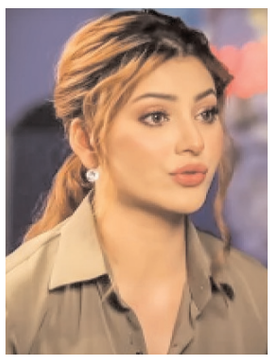

मशहूर अभिनेत्री उर्वशी रौतेला ने हमेशा अपनी एक्टिंग और ग्लैमर के लिए सुर्खियां बटोरी हैं। बॉलीवुड हो या साउथ सिनेमा, उन्होंने अपने स्टाइल, परफॉर्मेंस और एनर्जी से अलग पहचान बनाई है। उन्हें जितना एक्टिंग और डांस से प्यार है, उतना ही प्यार उन्हें ट्रैवलिंग से है। वह ट्रैवल करती रहती हैं। उनकी सबसे पसंदीदा जगह नैनीताल है। इस जगह से उनका गहरा नाता भी है। उर्वशी रौतेला का जन्म 25 फरवरी 1994 को उत्तर प्रदेश के भरतपुर में हुआ था। बचपन से ही उन्हें कला और अभिनय का शौक था। उन्होंने स्कूल और कॉलेज के समय से ही कार्यक्रमों में हिस्सा लेना शुरू कर दिया था। उनके परिवार ने हमेशा उनके उत्साह और जुनून को बढ़ावा दिया। उन्होंने अपनी शुरुआत मॉडलिंग से की, साथ ही कई विभिन्न ब्यूटी पेजेंट्स में भी हिस्सा लिया। 2012 में उन्हें फेमिना मिस इंडिया एंटरटेनमेंट क्रीन का खिताब भी मिला। यह उनके करियर का पहला बड़ा मोड़ था। इसके बाद उन्होंने बॉलीवुड में कदम रखा और फिल्मों में काम करना शुरू किया। उर्वशी ने कई बॉलीवुड और साउथ इंडियन फिल्मों में अभिनय किया। उन्होंने साल 2013 में 'सिंह साहब द ग्रेट' से एक्टिंग करियर की शुरुआत की। इसके बाद 'सनम रे' (2016), 'ग्रेट ग्रैंड मस्ती' (2016), 'हेट स्टोरी 4' (2018), 'पागलपंती' (2019) और 'वर्जिन भानुप्रिया' (2020) जैसी फिल्मों में दिखाई दीं। इसके बाद उन्होंने 'डाकू महाराज', 'सिंगल' और कई अन्य फिल्मों में काम किया। उनकी फिल्मों के गाने और स्टाइलिश अंदाज भी लोगों में खूब पसंद किए गए। फिल्मों के साथ-साथ उर्वशी सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं। वह अपनी सफलता और अनुभव फैंस के साथ साझा करती रहती हैं। नैनीताल को लेकर उन्होंने एक पोस्ट साझा किया था और इस जगह से अपने खास जुड़ाव के बारे में खुलकर बात की थी। उन्होंने बताया कि नैनीताल उनके लिए सिर्फ छुट्टियों की जगह नहीं, बल्कि उनकी बचपन की यादों का हिस्सा है। यह उनका ननिहाल है। जब भी वह यहां आती हैं, तो झील में नाव की सवारी, तिब्बती बाजार और मालरोड की सैर जरूर करती हैं। इसके साथ ही, वह नैना देवी मंदिर भी जाती हैं।

'यादव जी की लव स्टोरी' के विरोध में दायर याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने किया सुनवाई से इनकार

नई दिल्ली/एजेन्सी

प्रगति तिवारी, विशाल मोहन, अंकित बढ़ाना और सुखविंदर विक्की स्टारर फिल्म 'यादव जी की लव स्टोरी' को लेकर सुप्रीम कोर्ट में फिल्म के टाइटल और रिलीज पर रोक की मांग को लेकर याचिका दर्ज कराई गई थी। अब कोर्ट ने याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया है, और कोर्ट का कहना है कि फिल्म के टाइटल से यादव समुदाय की छवि खराब नहीं होती। सुप्रीम कोर्ट ने कड़े शब्दों में फिल्म के खिलाफ दाखिल याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया है। कोर्ट का कहना है कि टाइटल के कुछ भी ऐसा विवादित नहीं है, जैसा 'घूसखोर पंडत' में था। ये मामला घूसखोर पंडत से अलग है। फिल्म के टाइटल से यादव समुदाय की छवि खराब नहीं होती है। जस्टिस बी वी नागरत्ना और जस्टिस उज्ज्वल भुइयां की बेंच ने याचिका खारिज करते हुए कहा कि किसी फिल्म का टाइटल मात्र इसलिए असंवैधानिक नहीं ठहराया जा सकता कि उससे किसी समुदाय की छवि खराब होने की आशंका जताई जा रही है।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले से फिल्म के रिलीज पर लटकी तलवार अब उतर चुकी है। फिल्म 27 फरवरी को यानी 2 दिन बाद सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म के टाइटल में यादव जी और ट्रेलर में यादव समुदाय की लड़की का एक विशेष वर्ग के व्यक्ति के साथ प्रेम संबंध की वजह से फिल्म का विरोध हो रहा है। यूपी के कई हिस्सों में फिल्म के विरोध में नारेबाजी की गई और फिल्म के पोस्टर भी जलाए गए थे। यादव समुदाय का कहना है कि टाइटल और फिल्म की कहानी के जरिए यादव समाज की गरिमा को ठेस पहुंचाने का काम किया जा रहा है। सोशल मीडिया पर भी फिल्म के बैन की मांग उठ रही है और फिल्म के लीड किरदारों को भी टारगेट किया गया। फिल्म में लीड रोल प्ले कर रही प्रगति तिवारी ने भी फिल्म को लेकर सफाई पेश की थी कि फिल्म में ऐसा कुछ नहीं है, जो किसी समुदाय की गरिमा को ठेस पहुंचाए। हालांकि अब कोर्ट के फैसले से साफ है कि फिल्म में कुछ भी असंवैधानिक नहीं है। फिल्म को सेंसर बोर्ड ने सर्टिफिकेट देते हुए रिलीज का आदेश पहले भी दे दिया था।

सलीम खान की सेहत में सुधार हो रहा है : खान

मुंबई/भाषा। फिल्म अभिनेता आमिर खान ने कहा कि वह दिग्गज पटकथा लेखक सलीम खान के परिवार के संपर्क में हैं और परिजनों ने उन्हें बताया कि उनकी (सलीम खान की) सेहत में सुधार हो रहा है। सलीम खान के बेटे सलमान खान के करीबी दोस्त आमिर ने बताया कि वह हाल में 90 वर्षीय लेखक से मिलने लीलावती अस्पताल गए थे, लेकिन आईसीयू में भर्ती होने के कारण उनसे मिल नहीं पाए। आमिर (60) ने कहा कि उन्हें सलमान की बहन अलवीरा अग्निहोत्री से नियमित रूप से जानकारी मिल रही है। आमिर ने बुधवार शाम को संवाददाताओं से कहा, मैं सलीम साहब से मिलने गया था और हम सब उनके शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना कर रहे हैं। चूंकि वह आईसीयू में हैं इसलिए मैं उनसे व्यक्तिगत रूप से नहीं मिल पाया लेकिन मैं परिवार से मिला। उन्होंने कहा, अलवीरा (सलमान की बहन) मुझे हर रोज बताती हैं कि उनकी (सलीम खान की) सेहत में सुधार हो रहा है। हम सब प्रार्थना कर रहे हैं कि वह जल्द घर लौट आएं और पूरी तरह स्वस्थ हो जाएं।

सलीम खान को जावेद अख्तर के साथ उनकी मशहूर लेखक जोड़ी के लिए जाना जाता है। सलीम-जावेद के नाम से मशहूर इस जोड़ी ने हिंदी सिनेमा की कुछ सबसे लोकप्रिय फिल्मों की पटकथा लिखी, जिनमें 'शोले', 'दीवार', 'जंजीर' और 'डॉन' शामिल हैं। सलीम खान को मंगलवार को बांद्रा के लीलावती अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया था।

सलीम खान का इलाज कर रहे चिकित्सकों के समूह में शामिल डॉ. जलील डी पारकर ने पिछले सप्ताह बताया कि सलीम खान को मस्तिष्क में रक्तस्राव हुआ था, जिसका इलाज किया जा चुका है और एहतियात के तौर पर उन्हें वेंटिलेटर पर रखा गया है और उनकी हालत स्थिर है। उसके बाद से चिकित्सकों ने परिवार की निजता बनाए रखने के लिए सलीम खान के स्वास्थ्य के बारे में कोई बयान देने से परहेज किया है।

निशान यात्रा

पटना में गुरुवार को महिलाओं का एक ग्रुप श्याम महोत्सव और निशान यात्रा में हिस्सा लेते हुए।

'द केरल स्टोरी 2' के खिलाफ दायर याचिकाएं विचारणीय नहीं हैं: निर्माता ने केरल उच्च न्यायालय से कहा

कोच्चि/भाषा

'द केरल स्टोरी 2 - गोज़ बियॉन्ड' के निर्माता ने केरल उच्च न्यायालय को बताया है कि फिल्म की रिलीज का विरोध करने संबंधी याचिकाएं ''समय से पहले दायर की गईं, गलत धारणा पर आधारित हैं और विचारणीय नहीं हैं।'' फिल्म के निर्माता विपुल अमृतलाल शाह ने मंगलवार को उच्च न्यायालय में दायर एक हलफनामे में यह बात कही। न्यायमूर्ति बेचू कुरियन थॉमस ने कहा कि वह अपराह्न में मामलों की विस्तृत सुनवाई करेंगे। शाह ने अपने हलफनामे में दावा किया है कि सिनेमैटोग्राफ अधिनियम, 1952 के तहत गठित सेंसर बोर्ड 'सीबीएफसी' ही एकमात्र विशेषज्ञ प्राधिकरण था, जिसे फिल्मों की संपूर्ण पड़ताल करने और सार्वजनिक प्रदर्शन के लिए प्रमाणित करने का अधिकार है। उन्होंने अपने हलफनामे में कहा है, ''इस न्यायालय का पर्यवेक्षी क्षेत्राधिकार किसी फिल्म की विषयवस्तु के संबंध में प्रमाणन प्राधिकारी के निर्णय के स्थान पर अपना स्वयं का मूल्यांकन थोपने तक विस्तारित नहीं होता है।'' उन्होंने फिल्म के खिलाफ दायर याचिकाओं में लगे आरोपों का भी खंडन किया है और इन्हें ''कानून की प्रक्रिया का दुरुपयोग'' बताया है।

निर्माता ने कहा है कि याचिका दायर करने से 16 दिन पहले फिल्म के टीजर जारी किए गए थे। उन्होंने कहा है कि किसी प्रमाणित फिल्म के प्रदर्शन पर केवल दो मिनट के टीजर के आधार पर और पूरी फिल्म की जांच-पड़ताल किए बिना रोक नहीं लगाई जा सकती। उन्होंने कहा है कि पूरी फिल्म की जांच-पड़ताल किए बिना, सीबीएफसी के फैसले में किसी भी कानूनी खामी का प्रथमदृष्टया पता लगाये बिना, और केवल एक टीजर के आधार पर प्रतिबंध लगाना ''प्रतिवादी (निर्माता), हजारों प्रदर्शकों और देशभर के वितरण भागीदारों को जबरदस्त आर्थिक नुकसान पहुंचाएगा''। विपुल अमृतलाल शाह ने दावा किया '' यह फिल्म भारत के साथ-साथ विदेशों में भी 1,800 से अधिक सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।''

फिल्म के शीर्षक के बारे में उन्होंने कहा है कि फिल्म के नाम में जो 'गोज़ बियॉन्ड' शब्द जोड़ा गया है, वह सिर्फ शीर्षक को ''आकर्षक बनाने के लिए नहीं'' है, बल्कि इसका वास्तविक महत्व और उद्देश्य है। हफलनामे में दावा किया गया है कि ऐसा जानबूझकर किया गया है, जिसे टीजर में कई बिंदुओं पर प्रमुख रूप से प्रस्तुत किया गया है, जो यह दर्शाता है कि फिल्म की कथा केवल केरल तक सीमित नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि यदि भीड़ की हिंसा या विरोध प्रदर्शन से सार्वजनिक व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका हो, तो इसे रोकने के लिए कदम उठाना सरकार का कर्तव्य है और इसके परिणामस्वरूप किसी फिल्म की रिलीज को रोका नहीं जा सकता।

हलफनामे में कहा गया है, ''ऐसी स्थिति जिसमें कोई भी व्यक्ति या समूह केवल अव्यवस्था की धमकी देकर किसी प्रमाणित फिल्म के प्रदर्शन पर प्रभावी रूप से रोक लगा सकता है, तो सीबीएफसी प्रमाणन प्रक्रिया और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की संवैधानिक गारंटी दोनों ही का कोई मतलब नहीं रह जायेगा।''अदालत ने मंगलवार को मौखिक रूप से टिप्पणी की थी कि फिल्म के टीजर और ट्रेलर में केरल जैसे राज्य को गलत तरीके से दर्शाया गया है, जबकि यह ऐसा राज्य है जहां हर कोई सांप्रदायिक सद्भाव के साथ रहता है।

खुशी में वादे न करो और दुख में फैसला न करो : भाग्यश्री

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री भाग्यश्री अपनी शानदार अदाकारी और सकारात्मक सोच के लिए फैंस के बीच अपनी मौजूदगी दर्ज करवाती रहती हैं। मंगलवार को उन्होंने इंस्टाग्राम के जरिए जिंदगी को खुलकर जीने की सलाह दी। उन्होंने एक वीडियो पोस्ट कर कैप्शन लिखा, जिंदगी के आसान फंडे खुशी में वादे न करो, दुख में फैसला न करो, गुस्से में जवाब न दो और किसी के दर्द का कारण न बनो। ये जीवन को सही तरीके से जीने के लिए कुछ आसान उसूल हैं। उन्होंने लिखा, जिंदगी के आसान सूत्र। कभी-कभी सबसे सरल चीजें भी मुश्किल हो जाती हैं, जब हम जरूरत से ज्यादा करने की कोशिश करते हैं। इससे यह सीख मिलती है कि किसी काम को तभी करें जब हमारा मन शांत और संतुलित हो।भाग्यश्री सोशल मीडिया पर इस तरह के वीडियो पोस्ट कर सकारात्मकता फैलाती हैं। उन्होंने अपने इस वीडियो के माध्यम से समझाया है कि जीवन में असली खुशी और मजबूती अंदर के विचारों से आती हैं, न की बाहरी दिखावे से।फैंस उनके पोस्ट को काफी पसंद कर रहे हैं। साथ ही, उनके इस मैसेज से अपनी सहमति जाहिर कर रहे हैं।भाग्यश्री ने भले ही फिल्मों में कम काम किया हो, लेकिन अपने अभिनय से दर्शकों के दिलों में खास पहचान बनाई है। पहली फिल्म मैंने प्यार किया में काम कर उन्होंने अपनी सादगी से दर्शकों का ध्यान खींचा था। वह फिल्म की रिलीज के बाद रातों रात स्टार बन गई थीं। हालांकि इससे पहले वे टीवी सीरियल 'कच्ची धूप' में नजर आ चुकी थीं। आगे चलकर उन्होंने हिमालय दासानी से शादी की थी और परिवार को प्राथमिकता देते हुए सिनेमा से ब्रेक ले लिया था। भाग्यश्री ने हमेशा अपनी शर्तों पर काम किया है। अब वह 'थलाइवी', 'राधे श्याम' और 'किसी का भाई किसी की जान' जैसी हिंदी फिल्मों में सहायक भूमिकाओं के साथ सक्रिय हैं।

मीटू आंदोलन से कुछ बदलाव जरूर आए हैं, लेकिन कई आरोपी आज भी फल-फूल रहे : कोंकणा

मुंबई/भाषा। अभिनेत्री कोंकणा सेन शर्मा का मानना है कि मीटू आंदोलन से कुछ सकारात्मक बदलाव जरूर आए हैं, लेकिन इसके बावजूद कई आरोपी आज भी फल-फूल रहे हैं।अपनी आने वाली फिल्म 'एक्यूज्ड' में कोंकणा ब्रिटेन की एक चिकित्सक की भूमिका निभा रही हैं, जिस पर कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न के आरोप लगते हैं।अनुभूति कश्यप के निर्देशन में बनी इस फिल्म में प्रतिभा रान्ता भी अहम भूमिका में हैं। कहानी एक समलैंगिक विवाहित जोड़े के जीवन पर आधारित है, जिसकी जिंदगी एक आरोप के बाद पूरी तरह बदल जाती है। कोंकणा ने पीटीआई-भाषा को दिए साक्षात्कार में कहा कि न्यायमूर्ति हेमा समिति की रिपोर्ट ने फिल्म उद्योग में हुए उत्पीड़न को उजागर किया और यह रिपोर्ट मीटू आंदोलन की बड़ी उपलब्धि रही, लेकिन कई आरोपियों को कोई ठोस सजा नहीं मिली। उन्होंने कहा, यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है। यह वह वास्तविकता है जिसे हम सभी जानते हैं, हम उन लोगों को जानते हैं जिन पर आरोप लगाए गए हैं, हम उनमें से कई लोगों को फलते-फूलते देख सकते हैं। दरअसल, बहुत कुछ हम पर, हम सभी पर एक समाज के रूप में निर्भर करता है, कि हम किसके साथ काम करना चाहते हैं, हम किसका काम देखना चाहते हैं, और हम इन लोगों को कितने अवसर देते हैं।

कश्यप ने बताया कि उन्होंने भारत में आंदोलन से जुड़े कुछ प्रमुख लोगों को भी फिल्म दिखाई, ताकि उनकी प्रतिक्रिया और फिल्म के बारे में उनकी राय जान सकें। अब उन्हें उम्मीद है कि फिल्म उस उद्देश्य को आगे बढ़ाएगी जिसे आंदोलन ने शुरू किया था। कश्यप ने कहा, उनमें से अधिकतर को फिल्म पसंद आई, उन्होंने इसकी सराहना की, लेकिन उनके लिए इसे देखना बहुत मुश्किल था क्योंकि फिल्म में कुछ अच्छा दिखाया गया है। उम्मीद है, इस फिल्म से और भी लोगों

को आंदोलन को जारी रखने का साहस मिलेगा। निर्देशक ने कहा कि मीटू आंदोलन द्वारा लाया गया सबसे महत्वपूर्ण बदलाव आंतरिक शिकायत समितियों (आईसीसी) का गठन और फिल्म सेट पर बेहतर बुनियादी ढांचा था।

कश्यप ने कहा, इनमें से कुछ उपायों के लागू होने से कुछ अच्छा हुआ है। कुछ लोगों ने बार-बार अपनी कहानियाँ सुनाने का साहस जुटाया है, जो बहुत मुश्किल होता है। यह अच्छी बात है। दुर्भाग्य से, आंदोलन थोड़ा धीमा पड़ गया। लेकिन मुझे उम्मीद है कि यह आगे बढ़ेगा। लापता लेडीज़ और हीरामंडी में अपनी भूमिकाओं से प्रसिद्धि पाने वाली रान्ता ने पीड़ितों के अपनी कहानियां साझा करने के साहस की सराहना की। उन्होंने कहा, जब आपके साथ कुछ बुरा होता है, तो खुलकर सामने आना बहुत बड़ी बात होती है और ऐसे कई संगठन हैं जिन्होंने लोगों को खुलकर सामने आने और अपने अनुभवों को साझा करने में मदद की है, जो अच्छी बात है। कश्यप ने बताया कि धर्मा प्रोडक्शन द्वारा निर्मित उनकी फिल्म की खासियत यह है कि इसमें आरोपी एक महिला है। यह फिल्म 27 फरवरी को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।

समीरा रेड्डी ने बताई अरबी की खास रेसिपी, हेल्थ के लिए बेहद फायदेमंद

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री समीरा रेड्डी स्वस्थ जीवनशैली को बहुत महत्व देती हैं। वे न सिर्फ हेल्दी खान-पान की सलाह देती हैं बल्कि नियमित व्यायाम करने के लिए भी जोर देती हैं। समीरा अक्सर हेल्दी फूड की क्रिएटिव रेसिपी शेयर करती रहती हैं ताकि लोग हेल्दी फूड का मजा ले सकें। उन्होंने मंगलवार को इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया। इसमें उन्होंने अरबी की स्वादिष्ट रेसिपी बताई है। साथ ही, इसके खाने के अद्भुत फायदे भी समझाए हैं। उन्होंने बताया, अगर आपको बार-बार थकान, अच्छा खाने की इच्छा और दिन भर हार्मोन का उतार-चढ़ाव होता है, अरबी फ्राई आपको लगातार ऊर्जा देगी। यह पाचन सुधारने और महिलाओं के लिए ज्यादा फायदेमंद होती है। इसे सिर्फ डाइट फूड नहीं, बल्कि पौष्टिक आहार समझें।

अभिनेत्री ने इसे बनाने की आसान रेसिपी बताई। उन्होंने लिखा, इसे बनाना बेहद आसान है। इसके लिए आप लंबी अरबी छिलके सहित, किनारे काटकर

उसे गुड़ और नमक वाले पानी में नरम होने तक 10 मिनट तक उबाल लें। अब कड़ाही में तेल गरम करें। राई डालें, जब ये चटकने लगे तो जीरा, लहसुन और हरी मिर्च डालें। इसके बाद प्याज और टमाटर डालकर नरम होने तक पकाएं। फिर हल्दी डालें। उबली हुई अरबी और नमक डालें। 5-7 मिनट तक हल्का कुरकुरा होने तक पकाएं।

ऊपर से हरा धनिया डालकर गरम-गरम परोसें।उन्होंने आगे लिखा, कच्ची अरबी खाने से गले में खुजली या जलन होती है क्योंकि इसमें कैल्शियम-ऑक्सलेट के छोटे कण होते हैं। अगर आप इसे अच्छे से पकाते या उबालते हैं, तो यह असर खत्म हो जाता है और यह खाने के लिए फायदेमंद भी होती है। समीरा ने इसके फायदे भी बताए। उन्होंने लिखा, यह शरीर को लंबे समय तक ऊर्जा देती है, इसलिए बार-बार भूख नहीं लगती। पेट की सूजन कम होती है और पाचन तंत्र दुरुस्त रहता है। इसमें हल्की मात्रा में आयरन होता है, जो खून की कमी दूर करने में मदद करता है। यह सूजन (इन्फ्लेमेशन) को कम करने में कारगर होता है, खासकर पीरियड्स के दौरान होने वाले दर्द और थकान में बहुत फायदेमंद है।

तीन दिवसीय आस्टियोपैथी(आर्थो) शिविर का शुभारंभ गीता भवन में

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। माहेश्वरी सभा एवं तमिलनाडु मारवाड़ी सम्मेलन चेन्नई के संयुक्त तत्वावधान में आस्टियोपैथी शिविर का उद्घाटन मुख्य अतिथि ओलम्पिया टेक् पार्क प्रा.लि. के निदेशक अजीत चोरडिया व विशिष्ट अतिथि डीजी वैष्णव कॉलेज के सचिव अशोककुमार मूँधड़ा द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। शिविर में जोधपुर से पधारे चिकित्सक विशेषज्ञ डॉ नंदकिशोर पराशर व चार अन्य डॉक्टरों द्वारा सेवाएँ प्रदान की जा रही है।

माहेश्वरी सभा अध्यक्ष गौरीशंकर राठी ने शिविर की जानकारी देते हुए सभी का स्वागत किया।

तमिलनाडु मारवाड़ी सम्मेलन अध्यक्ष अशोक केडिया ने संस्था की जानकारी देते हुए शिविर की सफलता की कामना की। उद्घाटन समारोह का संचालन अजय नाहर ने किया। संजीव अग्रवाल द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव रखा गया। शिविर के बंसीलाल राठी चेरिटेबल ट्रस्ट के नवल राठी, फ्लोर ब्रदर्स चेरिटेबल ट्रस्ट के कमल फलोर व ओपीजी फाउंडेशन के अरविंद गुप्ता शिविर के प्रायोजक हैं। शिविर आयोजन गीता भवन ट्रस्ट में के प्रबंध निदेशक मन्नु गोयल ने निशुल्क उपलब्ध कराया। सभी को सम्मानित किया गया। उद्घाटन समारोह में गणमान्य शांतिलाल जैन, सुभाषचंद रांका, प्रवीण टाटिया, संजय मूँधडा, मोहनलाल बजाज ने उपस्थिति देकर प्रोत्साहन बढ़ाया।

पहले दिन में लगभग 190 शिविरार्थियों को जाँचकर उन्हें डाक्टरों ने निवारणार्थ सेवाएँ प्रदान की व भविष्य में ज़रूरी व्यायाम की जानकारी भी दी। यह शिविर शनिवार 28 फरवरी सायं 6 बजे तक चलेगा। शिविर के सफल आयोजन में दिनेश सोमानी, सुरेश भट्टड़, योगेश मोहता, रामअवतार रुंगटा, मनोज साबू, ममता बागड़ी, मंजूश्री मालपानी ने निःस्वार्थ सहयोग दिया।

एमजीएम हेल्थकेयर द्वारा 'स्वयं' वृद्धावस्था कार्यक्रम शुरु

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। वृद्धावस्था स्वास्थ्य सेवा में एक नया मानदंड स्थापित करते हुए, एमजीएम हेल्थकेयर ने स्वयं नामक चेन्नई का पहला व्यापक, बहु-विषयक वृद्धावस्था कार्यक्रम शुरू किया है। यह कार्यक्रम जीवन की गुणवत्ता को बहाल करने और बनाए रखने पर विशेष ध्यान देने के साथ, निरंतर देखभाल की संरचित व्यवस्था पर आधारित है। इस कार्यक्रम के साथ एक समर्पित वरिष्ठ हेल्पलाइन (044-42004222) भी उपलब्ध है, जो बुजुर्ग रोगियों और उनके परिवारों की सहायता करती है। इस कार्यक्रम में बाह्य रोगी सेवाएं, वरिष्ठ नागरिकों के अनुकूल आईसीयू सहित समर्पित इन-पेशेंट वार्ड और प्रत्यक्ष दौरे, दूरस्थ निगरानी और घर पर या सहायता प्राप्त जीवन यापन सुविधाओं में रहने वाले रोगियों के लिए अनुवर्ती सेवाओं के माध्यम से अस्पताल से घर तक की देखभाल को एकीकृत किया गया है।

कार्यक्रम का उद्घाटन कर्नल के. प्रभाकर हेब्बर (सेवानिवृत्त), जोसेफ मारिता, शाखा प्रमुख और श्रीमती कृष्णावेनी, उप प्रबंधक, डिग्निटी फाउंडेशन द्वारा किया गया। इस अवसर पर एमजीएम हेल्थकेयर के क्लिनिकल निदेशक और वरिष्ठ सलाहकार एवं एनेस्थेसियोलॉजी और सर्जिकल आईसीयू के क्लिनिकल लीड डॉ. सेनाथी नंदा किशोर और आंतरिक चिकित्सा विभाग के वरिष्ठ सलाहकार डॉ. पी. शिवराज, जो स्वयं के प्रमुख हैं, उपस्थित थे।

'स्वयं' अपॉइंटमेंट आधारित मॉडल का पालन करता है, जिसमें व्यापक और आरामदेह मूल्यांकन सुनिश्चित करने के लिए प्रतिदिन केवल पाँच रोगियों से ही परामर्श लिया जाता है। प्रत्येक मुलाकात में एक ही स्थान पर बहुविषयक स्क्रीनिंग की सुविधा उपलब्ध है, जिसमें अकेलेपन और अवसाद के लिए मनोवैज्ञानिक आकलन भी शामिल हैं। अस्पताल से घर तक की निरंतरता में त्रैमासिक मोबाइल स्वास्थ्य सेवाएं शामिल हैं, जहां एक डॉक्टर, नर्स और फिजियोथेरेपिस्ट संरचित निगरानी और निरंतर देखभाल के लिए रोगियों के घर जाते हैं।

रक्तदान शिविर में 2700 यूनिट रक्त का हुआ संचय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। चेन्नई यहां द्वारकादास गोवर्धनदास (डीजी) वैष्णव कॉलेज ने 48वीं वार्षिक मेगा रक्तदान शिविर सफलतापूर्वक आयोजित किया। 25 फरवरी से शुरु हुए इस दो दिवसीय रक्तदान शिविर में काफी उत्साह के साथ एनएसएस और एनसीसी स्वयंसेवकों, समन्वयकों और छात्रां ने भागीदारी के साथ अपना ही पूरा रिकार्ड तोड़ दिया।

दो दिवसीय शिविर में कल 2707 रक्त यूनिट का संचय किया गया। जो कि पिछले वर्ष संचित किए 2200 रक्तयूनिट से 500 यूनिट से अधिक रहा।

समापन सत्र के दौरान, प्रधानाचार्य डॉ. एस. संतोश बाबू ने सभी हितधारकों की सामूहिक मेहनत, टीमवर्क और सामाजिक जिम्मेदारी की सराहना की, जिसके कारण इस महान पहल को एक बड़ी सफलता मिली। उन्होंने छात्रों की उत्साही भागीदारी पर प्रसन्नता व्यक्त की और उनके निःस्वार्थ योगदान की सराहना की। कॉलेज सचिव श्री अशोक कुमार मूँधड़ा ने यह कहा कि जब छात्र वास्तविक रूप से संलग्न होते हैं और प्रतिबद्ध होते हैं, तो वे कुछ भी हासिल कर सकते हैं।

उन्होंने डीजी वैष्णव कॉलेज पर गहरी गर्व की भावना व्यक्त की और छात्रों को अपने बच्चे मानते हुए उनकी सराहना की। इस मौके पर मुख्य अतिथि, प्रोफेसर डॉ. एस. राजसुंदरम, निदेशक - इस्वार्य कैंसर सेंटर, प्रमुख-सर्जिकल ऑन्कोलॉजी, सीईओ-इस्वार्य अस्पताल की उपस्थिति से गरिमामयी बना।

हिंदी भारत की भाषाओं और बोलियों के बीच समरसता का सेतु

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के कर्मचारी राज्य बीमा (ईएसआईसी) के क्षेत्रीय कार्यालय में अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर राजभाषा संगोष्ठी का सफल आयोजन किया गया। इस समारोह का मुख्य उद्देश्य भारत की विविध भाषाओं एवं बोलियों के साथ राजभाषा हिंदी के समन्वय को प्रोत्साहित करना तथा भाषायी एकता के महत्व को रेखांकित करना था। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने मातृभाषा की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मातृभाषा में एक सहज शक्ति निहित होती है, जो व्यक्ति के बौद्धिक, भावनात्मक एवं सामाजिक विकास में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। साथ ही यह भी प्रतिपादित किया गया कि हिंदी भाषा भारत की विभिन्न भाषाओं के मध्य एक सशक्त सेतु के रूप में कार्य करती है, जो राष्ट्रीय एकता को सुदृढ़ बनाती है। संगोष्ठी में भारत की विविध भाषाओं, साहित्य, साहित्यकारों एवं सांस्कृतिक परंपराओं के साथ राजभाषा हिंदी की समरसता पर गहन विचार-विमर्श किया गया। वक्ताओं ने कार्यालयीन कार्यों में हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग पर बल देते हुए इसे प्रशासनिक दक्षता एवं जनसंपर्क की दृष्टि से उपयोगी बताया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि पंजाब सिविल सचिवालय की वरिष्ठ सहायक तलवीर कौर रहीं। उन्होंने भारत की भाषायी विविधता को देश की शक्ति बताते हुए विभिन्न भाषाओं के मध्य सामंजस्य को राष्ट्रीय एकता का आधार बताया। उन्होंने मातृभाषा को सम्मान एवं गौरव प्रदान करने व देश की एकता की प्रतीक हिंदी भाषा के प्रयोग की आवश्यकता पर विशेष बल दिया। कार्यक्रम का समापन राजभाषा हिंदी के संवर्धन एवं भारत की भाषायी विविधता के संरक्षण के संकल्प के साथ हुआ। यह आयोजन भाषायी एकता, सांस्कृतिक समरसता एवं प्रशासनिक कार्यों में हिंदी के प्रोत्साहन की दिशा में एक सार्थक पहल सिद्ध हुआ।

न्यायालय ने ईशा फाउंडेशन को निर्देश दिया

श्मशान घाट विवाद में मध्यस्थता के विकल्पों पर विचार करें

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर/नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को सद्गुरु जग्गी वासुदेव के ईशा फाउंडेशन से तमिलनाडु के कोयंबटूर के बाहरी इलाके में स्थापित श्मशान घाट से संबंधित भूमि विवाद को सौहार्दपूर्ण ढंग से निपटाने की संभावना तलाशने को कहा। प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम. पंचोली की पीठ ने कोयंबटूर के एक निवासी द्वारा दायर याचिका पर यह आदेश पारित किया, जिसमें उसने फाउंडेशन द्वारा उसके घर के बगल में स्थापित श्मशान घाट से असंतुष्टि व्यक्त की थी।

पीठ ने कहा, हमारे सुझाव पर, पक्षकार सौहार्दपूर्ण समझौते की संभावना तलाशने के लिए सहमत हैं, जिसके तहत प्रतिवादी संख्या 13 - ईशा फाउंडेशन याचिकाकर्ता के आवासीय घर के लिए उचित और तार्किक बाजार मूल्य की पेशकश करेगा ताकि वह अपनी पसंद के किसी अन्य स्थान पर बस सके। पीठ ने कहा, हमने दोनों पक्षों से इस संभावना पर विचार करने और अपने विवादों को सौहार्दपूर्ण ढंग से निपटाने के लिए गंभीरतापूर्वक आग्रह किया।

याचिकाकर्ता एस.एन. सुब्रमणियन की ओर से पेश हुए अधिवक्ता प्रशांत भूषण द्वारा मध्यस्थ नियुक्त करने पर जोर देने के बाद, पीठ ने आदेश दिया, इस संबंध में, हम मद्रास उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति बी. राजेंद्रन से अनुरोध करते हैं कि वे पक्षों के बीच मध्यस्थ के रूप में अपनी सेवाएं प्रदान करें।

न्यायालय ने भूषण और ईशा फाउंडेशन की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी को शुक्रवार तक न्यायमूर्ति बी. राजेंद्रन से संपर्क करने और निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार उनके समक्ष पेश होने का निर्देश दिया। मामले की अगली सुनवाई 17 अप्रैल को होगी।

माहेश्वरी सभा का रंगोत्सव 1 मार्च को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। माहेश्वरी समाज के प्रमुख सामाजिक एवं सांस्कृतिक संगठन माहेश्वरी सभा के तत्वावधान में 1 मार्च को अरुम्बाक्कम स्थित डीजी वैष्णव कॉलेज परिसर में रंगोत्सव 2026 होली मिलन समारोह का रंगारंग आयोजन किया जाएगा। इस विशेष आयोजन में समाज के सभी वर्गों-बुजुर्ग, युवा, महिलाएँ एवं बच्चे-उत्साहपूर्वक भाग लेंगे और आपसी प्रेम, सौहार्द एवं एकता के रंगों से होली पर्व को मनाएंगे।

सभा के अध्यक्ष गौरी शंकर राठी ने बताया कि होली भारतीय संस्कृति का एक महत्वपूर्ण एवं उल्लासपूर्ण पर्व है, जो समाज में प्रेम, भाईचारे एवं आपसी सद्भाव का संदेश देता है। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभा की सभी सहयोगी संस्थाएँ माहेश्वरी महिला मंडल, माहेश्वरी स्पोर्ट्स क्लब, माहेश्वरी सत्संग समिति, माहेश्वरी युवा मंडल एवं माहेश्वरी क्लब पूरे उत्साह के साथ तैयारियों में जुटी हुई हैं।

कार्यक्रम संयोजक अनुराग माहेश्वरी एवं जयप्रकाश मालपानी ने बताया कि इस वर्ष रंगोत्सव में पारंपरिक होली की विशेष झलक देखने को मिलेगी। विशेष रूप से राजस्थानी पारंपरिक चंग एवं रसिया का जीवंत प्रस्तुतीकरण आकर्षण का प्रमुख केंद्र रहेगा, जो सभी को होली की पारंपरिक संस्कृति से जोड़ने का कार्य करेगा।

109 साल पुराने कर्ज का भुगतान पाने के लिए ब्रिटिश सरकार को नोटिस भेजेगा सीहोर का रूठिया परिवार

सीहोर (मप्र)/भाषा। मध्यप्रदेश के सीहोर जिले के प्रतिष्ठित और रसूखदार व्यवसायी रहे सेठ जुम्मा लाल रूठिया के परिवार की तीसरी पीढ़ी के एक सदस्य ने दावा किया है कि करीब 109 साल पहले तत्कालीन ब्रिटिश सरकार ने उनके दादा से 35,000 रुपए का 'युद्ध ऋण' लिया था, जिसे आज तक लौटाया नहीं गया है। दिवंगत व्यवसायी सेठ जुम्मा लाल रूठिया के पोते, विवेक रूठिया अब ब्रिटेन की सरकार को एक कानूनी नोटिस भेजने की योजना बना रहे हैं ताकि उन्हें 1917 में लिया गया यह कथित कर्ज उन्हें वापस मिल सके।

पैंसठ वर्षीय विवेक रूठिया ने ब्रिटिश हुकूमत के साथ कर्ज के लेन-देन के दस्तावेज होने का दावा करते हुए कहा कि अंग्रेज देश छोड़कर चले गए लेकिन आज तक इस कर्ज को नहीं लौटाया। उन्होंने कहा कि ब्रिटिश सरकार को कर्ज देने के 20 साल बाद 1937 में उनके दादा की मौत हो गई थी।

साल 1917 में प्रथम विश्व युद्ध (1914-18) के दौरान, भारत में ब्रिटिश प्रशासन ने अपने युद्ध प्रयासों का समर्थन करने के लिए स्थानीय नागरिकों से धन मांगा था। विवेक रूठिया ने कहा कि पुनर्भुगतान की राशि अब करोड़ों रुपए में होगी। उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, उस समय सोने की क्या कीमत थी और आज क्या है। इसी से अंदाजा लगाया जा सकता है। विवेक रूठिया ने चार जून, 1917 को भोपाल में ब्रिटिश पॉलिटिकल एजेंट द्वारा हस्ताक्षरित एक प्रमाण पत्र दिखाया गया जिसमें कहा गया है, सेठ जुम्मा लाल ने भारतीय युद्ध ऋण के लिए 35,000 रुपए दिए और इस तरह सरकार एवं साम्राज्य के प्रति अपनी वफादारी दिखाई।

विवेक रूठिया ने कहा कि उन्हें दादाजी की वसीयत में तत्कालीन ब्रिटिश सरकार के साथ पत्राचार का विवरण देने वाले दस्तावेज मिले, जो स्पष्ट रूप से दिखाते हैं कि अंग्रेजों ने पैसे उधार लिए थे। उन्होंने दावा किया कि अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत, एक संप्रभु राष्ट्र सैद्धांतिक रूप से अपने पिछले ऋणों को चुकाने के लिए कानूनी रूप से बाध्य है। उन्होंने कहा कि उनके पास सभी दस्तावेज हैं और वह अपने कानूनी सलाहकार से सलाह लेने के बाद ब्रिटेन सरकार को कानूनी नोटिस भेजने की तैयारी कर रहे हैं। विवेक रूठिया ने कहा कि उन्हें वसीयत में ब्रिटिश हुकूमत के साथ हुई लिखा-पढ़ी के दस्तावेज मिले हैं, जिससे साफ होता है कि अंग्रेजों ने यह राशि भोपाल रियासत में अपने प्रबंधन को व्यवस्थित करने के लिए ली थी।

राष्ट्रसंत पंकजमुनि का होली चातुर्मास आलंदी संघ में

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गांधीनगर तुरकिया जैन भवन से चातुर्मास सम्पन्न कर श्रमण संघीय उपप्रवर्तकश्री पंकजजी, डॉ वरुणमुनिजी, रूपेशमुनिजी हम्पी, बादामी, गोवा, कोल्हापुर, इचलकरंजी, महाबलेश्वर होते हुए पूना के यशलोन पहुंचे जहां पोपटलाल कर्णावट एवं उनकी टीम द्वारा संतों का स्वागत किया। आलंदी संघ के पदाधिकारियों ने संतों से होली चातुर्मास का निवेदन किया तथा निवेदन को स्वीकार करते हुए संतों ने होली चातुर्मास हेतु वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ आलंदी को स्वीकृति प्रदान की।

ज्ञातव्य है कि आलंदी महान संत श्री ज्ञानेश्वरजी की कर्मभूमि-जन्मभूमि और पुण्य भूमि है। इस अवसर पर रूपेशमुनिजी ने बताया कि वरुणमुनिजी चार दिवसीय मौन साधना के उपरांत 4 मार्च को बीज मंत्रों सहित पांच महामंगलपाठ प्रदान करेंगे। आलंदी संघ के संजय जैन ने बताया कि हमारे संघ का यह सौभाग्य है लगभग 10 वर्षों के पश्चात पुनः गुरु भगवंत का आलंदी नगरी में मंगलमय पदार्पण होने जा रहा है। संघ के अध्यक्ष व समाजसेवी सुरेश काका ने भी संतों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की। इस मौके पर सुरेश काका का जन्मदिवस भी मनाया जाएगा।

नई पीढ़ी को अत्याधुनिक तकनीकी बनाना मुख्यमंत्री का उद्देश्य है

हम सब जन जन तक सुविधा पहुचाने हेतु प्रयासरत है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां माधावरम चेन्नई के जयगोविंद हरिगोपाल अग्रवाल अग्रसेन कालेज मे आयोजित लैपटाप वितरण समारोह मे बतौर मुख्य अतिथि बोलते हुए द्रमुक विधायक एस सुदर्शनम ने कहा की मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने लैपटाप वितरण का उद्देश्य नई पीढ़ी को अत्याधुनिक तकनीकी बनाना बताया है। हमारी सरकार की योजना है की गरीब परिवार का छात्र नई टेकनॉलॉजी से वंचित न रह जाए। हम सरकार की इस योजना को जन जन तक पहुँचाने में सहयोग कर रहे है। विशिष्ट अतिथि हरीश कुमार लोहिया, संयुक्त सचिव ने सरकार की इस पहल की प्रशंसा की। उन्होंने बताया की इस कार्यक्रम से छात्रों को बहुत प्रोत्साहन मिल रहा है। कालेज का सहेली प्रेक्षागृह छात्रों से भरा था। कुल 112 छात्रों को विधायक ने अपने कर कमलों से लैपटाप वितरित किया।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.